खबर संक्षेप

रांची। शनिवार को बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास हार्डवेयर की दुकान में लगी आग को बुझाने का प्रयास करता अग्निशमन का कर्मचारी।

ग्रामीणों के हमले में नौ सिपाही घायल, केस दर्ज

गोण्डा। जिले के कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत धरना प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों द्वारा पुलिस कर्मियों पर किए गए कथित हमले में प्रभारी निरीक्षक समेत नौ पुलिस कर्मियों को चोटें आई हैं। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि कोतवाली नगर पुलिस पर अवैध वसूली व उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कई लोगों ने डीएम व एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। दोनों अधिकारियों के अन्यत्र शासकीय कार्यों में व्यस्त होने के कारण उनसे मुलाकात न होने पर नाराज ग्रामीणों ने गोण्डा लखनऊ राजमार्ग जाम कर दिया। जाम खुलवाने के लिए वहां पहुंची पुलिस पर प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर हमला कर दिया।

झारखंड: लड़की से छेड़छाड़ पर व्यक्ति की हत्या

चाईबासा (झारखंड)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में लड़की से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने वाले व्यक्ति की तीन लोगों ने हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक इंद्रजीत महाता ने शनिवार को बताया कि घटना 28 अक्टूबर की शाम को तब हुई जब मोहम्मद इस्माइल नामक व्यक्ति 'हड़िया' (चावल की शराब) पीने के लिये गुलुरुआ गांव गया था। इस्माइल राजमिस्त्री था। इस्माइल ने एक व्यक्ति की बहन से कथित तौर पर छेड़छाड़ की। इससे गुस्साए व्यक्ति ने दो अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों ने शव को गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक कुएं में फेंक दिया था।

अयोध्या: न जीत का जुनूनी जश्न, न हार का हाहाकारी हंगामा हो

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

अयोध्या में राम मंदिर को लेकर उच्चतम न्यायालय के बहुप्रतीक्षित फैसले से पहले केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि इस फैसले को लेकर जीत का जुनूनी जश्न नहीं होना चाहिए और न ही हार का हाहाकारी हंगामा होना चाहिए। यहां उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 10 दिनों तक चलने वाले हुनर हाट का उद्घाटन करने आए नकवी ने कहा कि ऐसे (अयोध्या मामला) संवेदनशील मुद्दे पर हमारा यही मानना है कि उच्चतम न्यायालय का जो भी फैसला आता है, उसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। हुनर हाट के बारे में उन्होंने बताया कि मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में प्रथम 100 दिनों में ही उनके मंत्रालय ने देश के अलग अलग हिस्सों में 100 हुनर हब स्वीकृत किए हैं जहां दस्तकारों, शिल्पकारों, पारंपरिक खानसामों को मौजूदा जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षण दिया जाएगा व उनके हुनर को निखारा जाएगा। मंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में देश के प्रख्यात आर्थिक केंद्रों में आयोजित 12 से अधिक हुनर हाट के जरिए ढाई लाख से अधिक कारीगरों, शिल्पकारों व उनसे जुड़े लोगों को रोजगार और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

प्रयागराज में हुनर हाट का उद्घाटन करने आए नकवी ने की अपील

अगले पांच वर्षों में 100 हुनर हाट होंगे आयोजित

नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय अगले पांच वर्षों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में 100 हुनर हाट का आयोजन करेगा। आने वाले दिनों में दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरू, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद, देहरादून, पटना, इंदौर, नागपुर, रायपुर, हैदराबाद, पुडुचेरी, चंडीगढ़, अमृतसर, जम्मू, शिमला, गोवा, कोच्चि, गुवाहाटी, रांची, भुवनेश्वर, अजमेर आदि में हुनर हाट का आयोजन किया जाएगा। अगला हुनर हाट दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर व मुंबई में 20 से 31 दिसंबर के बीच आयोजित होगा।

- प्रयागराज के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 10 दिनों तक चलेगा हुनर हाट

प्रयागराज में पहुंचे करीब 300 दस्तकार, शिल्पकार

प्रयागराज में आयोजित हुनर हाट में देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक दस्तकार, शिल्पकार और खानसामें हिस्सा ले रहे हैं। वर्ष 2019-20 के सभी हुनर हाट 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' विषय पर आधारित होंगे।

चिन्मयानंद प्रकरण: एसआईटी ने मुमुक्षु आश्रम के पास नाले में की खोज

नाले से मिला पीड़िता का पर्स जासूसी चश्मे की है तलाश

एजेंसी ⏭ शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने मुमुक्षु आश्रम के पास नाले में खोज के दौरान पीड़िता का पर्स बरामद किया।

सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अब एसआईटी को उस चश्मे की तलाश है जिसमें लगे जासूसी कैमरे की मदद से पीड़िता ने पूर्व केंद्रीय मंत्री की मालिश करते हुए वीडियो बनाया था। एसआईटी सूत्रों ने बताया पीड़िता ने जिस चश्मे की मदद से वीडियो बनाया था, वह चश्मा छात्रा के हॉस्टल से नहीं मिला। इस चश्मे को अहम सबूत मान रही एसआईटी के एक दल ने शनिवार की सुबह मुमुक्षु आश्रम के पास नाले में स्थानीय पुलिस तथा मजदूरों की मदद से खोज की। खोज के दौरान नाले में पीड़िता का पर्स मिला परंतु चश्मा अभी तक नहीं मिल पाया है। बताया जाता है कि मामले में एसआईटी ने अंतिम चरण में अपनी जांच तेज कर दी है क्योंकि चिन्मयानंद की जमानत अर्जी पर आठ नवंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बहस होनी है। अदालत ने एसआईटी से सात नवंबर तक जवाब मांगा है।

- मामले में एसआईटी ने अंतिम चरण में अपनी जांच तेज कर दी
- अदालत ने एसआईटी से सात नवंबर तक मांगा है जवाब
- चिन्मयानंद की बेल रिट पर आठ को इलाहाबाद हाईकोर्ट में होगी बहस

पीड़िता के पिता-मां से हुई लंबी पूछताछ

सूत्रों ने बताया कि पीड़िता के पिता, मां से शुक्रवार को दोपहर से देर शाम तक एसआईटी ने लंबी पूछताछ की थी। उल्लेखनीय है कि स्वामी सुखदेवानंद विधि महाविद्यालय की छात्रा ने 24 अगस्त को वीडियो वायरल कर पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद पीड़िता लापता हो गई थी।

फिलहाल चिन्मयानंद, पीड़िता समेत 5 आरोपी जेल में हैं बंद

चिन्मयानंद के अधिवक्ता ने पीड़िता पर पूर्व केंद्रीय मंत्री से रंगदारी मांगने का मामला दर्ज कराया था। पीड़िता के पिता ने चिन्मयानंद के विरुद्ध भी मामला स्थानीय शहर कोतवाली में दर्ज कराया था। दोनों मामलों की जांच एसआईटी कर रही है। मामले में चिन्मयानंद, पीड़िता व तीन अन्य आरोपी जेल में बंद हैं।

बांदा: सामूहिक बलात्कार का वीडियो वायरल, छह के खिलाफ मामला दर्ज

बांदा। चित्रकूट जिले के मऊ थाना क्षेत्र की महिला के साथ चार दिन पूर्व हुए कथित सामूहिक बलात्कार का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद पुलिस ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मऊ थाना प्रभारी (एसओ) अरुण पाठक ने शनिवार को बताया कि सोशल मीडिया पर सामूहिक बलात्कार का वीडियो वायरल हो रहा है। मामले के छह आरोपियों में से चार की वीडियो के आधार पर पहचान हो चुकी है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर विक्की गर्ग, कुलदीप, डीजे व कारतूस के अलावा दो अज्ञात नकाबपोश युवकों पर सामूहिक बलात्कार, लूटपात व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। 14 सेकेंड का यह वीडियो 28 अक्टूबर का है। 24 साल की महिला अपने जीजा के साथ रिश्तेदारी में जा रही थी, तभी रास्ते में छह युवकों ने हथियार दिखाकर उन्हें रोका। लूटपाट का विरोध करने पर जीजा को पेड़ से बांध कर महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया।

थाने में नहीं हुई सुनवाई

पीड़िता का दावा है कि उसने घटना के ही दिन मऊ थाना पहुंच कर मौखिक तौर पर पूरी सूचना पुलिस को दी पर उसे डांट कर भगा दिया गया। महिला का कहना है कि वीडियो वायरल होने के बाद वह खुद पुलिस अधीक्षक से मिली, तब मुकदमा दर्ज किया गया।

काशी में 36 घंटे तक गुल रही थी बिजली

योगी सरकार ने डायरेक्टर को डिमोट कर बना दिया इंजीनियर

एजेंसी ⏭ वाराणसी

यूपी सरकार के ऊर्जा विभाग में पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बिजली आपूर्ति में लापरवाही बरतने पर निगम के डायरेक्टर को डिमोट कर इंजीनियर बना दिया है। सरकार ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक अंशुल अग्रवाल का डिमोशन कर दिया है। अंशुल अग्रवाल को मुख्य अभियंता बना दिया गया है। इससे पहले वह तकनीकी निदेशक थे। दरअसल, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने अंशुल के निदेशक पद पर रहते हुए अपने काम में लापरवाही बरतने के आरोपों के बाद लिया है। वाराणसी के चौधरी उप केंद्र से 7 जुलाई को 18 घंटे व 21 जुलाई को 36 घंटे बिजली गुल रहने के बाद श्रीकांत शर्मा ने अंशुल को पदावनत करने का फैसला लिया। सरकार के मुताबिक सरकार सभी क्षेत्रों में पूरी तरह से बिजली देने के लिए कृतसंकल्प है, इसमें लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम के संसदीय क्षेत्र में कम बिजली आपूर्ति, बिजली की गड़बड़ी को देर से ठीक करने के मामले में यह फैसला लिया गया। यूपी सरकार का फैसला 7 जुलाई को कटी बिजली को लेकर लिया गया है। इससे ठीक पहले जून के महीने में ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए पावर कार्पोरेशन के 31 कार्मिकों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए थे।

शर्मा ने दिए थे कड़े निर्देश

श्रीकांत शर्मा ने जिन कार्मिकों पर उपभोक्ता उत्पीड़न या भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच लंबित थी, उन पर समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। साथ ही जांच या विजिलेंस के मामलों को जान बूझकर दबाकर रखने वाले अधिकारियों पर भी प्रभावी कार्रवाई करने की बात कही थी।

अन्य मामलों में भी कर्मियों पर चलेगा अभियोजन

इसके बाद पावर कार्पोरेशन द्वारा विद्युत आघात से मृत्यु, बिलों में हेराफेरी, आय से अधिक संपत्ति, घूस लेना, सामग्री का त्रुटिपूर्ण लेखांकन, विद्युत चोरी में संलिप्तता, राजस्व हानि पहुचाने एवं लापरवाही आदि अनियमितताओं में दोषी पाए गए 31 कर्मिकों के विरुद्ध अभियोजन चलाए जाने की अनुमति दे दी गई।

राशिफल 03 नवंबर 2019

डॉ. प्रेम कुमार शर्मा
ज्योतिषी, हस्तरेखा, न्यूमेरोलॉजिस्ट और वास्तु सलाहकार
Email: psharma@premastrologer.com
Ph. 01147033152/40532026 Saket New Delhi-17

मेष : कार्यक्षेत्र पर चीजें पक्ष में रहेंगी। आर्थिक मोर्चे पर सकारात्मक विकास की उम्मीद है। सेहतमंद रहने के लिए स्वस्थ खानपान की आदत डालें। प्रॉपर्टी खरीदने की सोच सकते हैं। **शुभ अंक**: 7, **रंग** : क्रीम।

वृष: कार्यक्षेत्र पर सीनियर्स को प्रभावित करने में कामियाब होंगे। धन लाभ के योग बन रहे हैं। वजन नियंत्रित करने में कोई आपकी मदद करेगा। घर का फर्नीचर बदलने की सोचेंगे। **शुभ अंक**: 6, **रंग**: क्रीमसन।

मिथुन: अपने क्लाइंटस बढ़ाने के लिए कुछ अलग सोचने की ज़रूरत है। व्यापारियों को धन लाभ के योग बन रहे हैं। सेहतमंद रहने के लिए स्वस्थ खानपान की आदत डालें। **शुभ अंक** : 1, **रंग**: मर्जेंटा।

कर्क: धन संबंधित मामलों पर ध्यान देंगे। प्रोफेशनल अपने रेट और चार्जेस बदल सकते हैं। सेहत को लेकर ध्यान देने की ज़रूरत है। किसी को अपने घर आमंत्रित कर सकते हैं। **शुभ अंक**: 18, **रंग**: लेमन।

सिंह: पर्सनली, प्रोफेशनली दिन अच्छा रहेगा। किसी चीज़ में निवेश करने का मौका मिल सकता है। सेहतमंद रहने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। पढ़ाई में सफलता के योग हैं। **शुभ अंक**: 2, **रंग**: हल्का ग्रे।

कन्या: काम को लेकर अलग अलग जगह जाना होगा। निवेश फायदेमंद साबित होगा। सेहत को लेकर दिन अच्छा रहेगा। अपने दोस्त के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। **शुभ अंक**: 22, **रंग**: क्रीम।

तुला: पढ़ाई में परफॉर्मेंस से संतुष्ठ रहेंगे। आर्थिक स्थिति के लिहाज़ से दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक गतिविधियों के बाद आराम की ज़रूरत है। किसी खूबसूरत जगह शिफ्ट हो सकते हैं। **शुभ अंक**: 17, **रंग** : ब्राउन।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र पर मेहनत करने की ज़रूरत है। प्रोजेक्टस से धन लाभ के योग हैं। नियमित व्यायाम के चलत सेहत अच्छी रहेगी। दोस्तों, सहयोगियों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। **शुभ अंक**: 9, **रंग** : लेमन।

धनु: आज के दिन का आनंद लें। अपनी क्षमता के चलते किसी डील को पाने में कामियाब होंगे। परिवार में किसी बीमार व्यक्ति की देखभाल करने की सभी प्रशंसा करेंगे। **शुभ अंक** : 3, **रंग**: रोज।

मकर: आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्यक्षेत्र पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं। सेहतमंद रहने को स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। परिवारिक सदस्य की मदद कर सकते हैं। **शुभ अंक** : 4, **रंग**: डार्क स्लेट ग्रे।

कुंभ : व्यवसाय के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक रुप से मजबूत रहेंगे। सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करते रहें। परिवार के साथ किसी समारोह में हिस्सा लेंगे। **शुभ अंक** : 15, **रंग**: वॉयलेट।

मीन: कार्यक्षेत्र पर कई काम करने को मिलेगा। पर्सनल चीजों का ध्यान रखें। सेहत को लेकर किसी की सलाह आपके काम आएगी। घर को लेकर कोई अधूरा काम पूरा करा सकते हैं। **शुभ अंक** : 5, **रंग** : सी ग्रीन।

: टिप्स :

1. रसोई घर में कम वॉट वाली क्षमता के बल्बों को बदलकर तेज रोशनी के बल्ब लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को बढ़ावा मिलता है।
2. फेंगशुई के अनुसार रसोई घर में शीशे का मर्तबान लकड़ी का चम्मच एक चाकू माचिस का डब्बा या लाईटर और सेरेमिक का बरतन इन सबको सही अनुपात में रखने पर रसोई में एक संतुलन बना रहता है और घर में समृद्धि आती है।

टिप्स : मनीषा कौशिक, ज्योतिषि, टैरो कार्ड
Contact: +91-11-26449898, 26489899

सीएम नीतीश समेत लाखों छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

एजेंसी ⏭ पटना

राजधानी पटना में स्थित गंगा तटों, तालाबों व घर-अपार्टमेंट की छतों पर लाखों व्रतियों ने शनिवार की शाम सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। वहीं बिहार के चर्चित सूर्यपीठों जैसे औरंगाबाद के देव, पटना जिले के उलार, पुण्यार्क मंदिर पंडारक में लाखों की तादाद छठ व्रती सूर्य भगवान को अर्घ्य प्रदान किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। एक अणे मार्ग में अर्घ्यदान के दौरान उनके बड़े भाई समेत अन्य परिवारीजन भी मौजूद रहे। रविवार की सुबह लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ उदयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो जाएगा। शनिवार की शाम राजधानी पटना के गंगा घाटों पर भगवान भाष्कर को पहला अर्घ्य देने के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। एनआईटी गांधी घाट, कालीघाट, दीघा, पाटीपुल, दीघा गेट नं.93, कलेक्ट्री घाट, कुर्जी, बांसघाटों पर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। पारंपरिक छठ गीतों ...मारबउ रे सुगवा धनुष से ...कांच की बांस के बहंगिया बहंगी लचकत जाए... होख न सुरुज देव सहइया... बहंगी घाट पहुंचाए...से पूरा शहर और सूबा भक्तिमय हो गया। धार्मिक मान्यता है कि छठ महापर्व में नहाए-खाए से पारण तक व्रतियों पर षष्ठी माता की कृपा बरसती है।

- आज सुबह उदयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो जाएगा छठ

योगी ने भी की पूजा...

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोमती नदी में छठ पूजा के दौरान जोरदार अनुष्ठानों के साथ छठ पूजा की। सीएम योगी पानी में लंबे समय तक खड़े रहे व शान्ति स्थापित करने की कामना करते हुए अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया।

आगरा। ताजमहल के पास यमुना नदी में छठ पूजा करते भक्त।

बेदी बनाते समय छात्र डूबा, मौत

बलिया (उप्र)। जिले के गड़वार थाना क्षेत्र में छठ पूजा के लिए बेदी बनाने गए पॉलीटेक्निक के छात्र की तालाब में डूबकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पॉलीटेक्निक की पढ़ाई कर रहा रतसर खुर्द गांव निवासी सूर्य प्रताप सिंह (20) छठ पूजा के लिए छुट्टी में घर आया था। शुक्रवार शाम वह गांव के बैजू बाबा पोखरे (तालाब) पर छठ पूजा के लिए बेदी बनाने गया था। बेदी बनाने के बाद पोखरे में पैर धोते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। कुछ समय बाद उसके शव को पोखरे में तैरता देख वहां नहा रहे लोगों ने उसे बाहर निकाला। उन्होंने पुलिस, परिजन को सूचना दी। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष लल्लू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

कुशीनगर। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व तमकुहीराज के विधायक अजय कुमार लल्लू के खिलाफ प्रयागराज स्थित स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने कुर्की, गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। विधायक बनने से पूर्व संघर्ष के दिनों में रेल संचालन को बाधित करने के मामले में वर्ष 2008 में उन पर केस कप्तानगंज आरपीएफ थाने में दर्ज किया गया था। अगली सुनवाई 24 नवंबर को होगी। आरोप है कि लल्लू के नेतृत्व में रेल लाइन पर धरना प्रदर्शन कर ट्रेन रोकी गई थी। इससे रेल संचालन प्रभावित हुआ था। आरपीएफ ने रेल अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया था। कोर्ट में प्रकरण की सुनवाई के दौरान विधायक गैरहाजिर चल रहे थे। कोर्ट ने उनके खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया, डुग्गी पिटवाने का आदेश जिम्मेदारों को दिया था। गुरुवार को कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद गिरफ्तारी व कुर्की का वारंट जारी किया है। कोर्ट ने गैर जमानती वारंट की तामील के लिए एसपी कुशीनगर को पत्र लिखा है।

पिथौरागढ़ उपचुनाव: भाजपा ने चंद्रा पंत को उम्मीदवार बनाया

देहरादून। भाजपा ने उत्तराखंड की पिथौरागढ़ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए चंद्रा पंत को पार्टी उम्मीदवार बनाये जाने की शनिवार को घोषणा की। पेशे से शिक्षिका चंद्रा पंत राज्य के पूर्व वित्त, संसदीय कार्य मंत्री प्रकाश पंत की पत्नी हैं। प्रकाश का जून में निधन हो गया था जिस कारण राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित इस सीट पर उपचुनाव कराया जाना है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे पी नड्डा और राज्य भाजपा के मीडिया प्रभारी देवेन्द्र भसीन ने इस सीट के लिए चंद्रा पंत की उम्मीदवारी की घोषणा की। पिथौरागढ़ सीट पर 25 को उपचुनाव होना है और मतगणना 28 नवम्बर को होगी।

मैजिक से कुचलकर खादी ग्रामोद्योग कर्मी की मौत, परिजनों ने चार घंटे रोड किया जाम

एजेंसी ⏭ औरंगाबाद

छठ महापर्व के तीसरे दिन शनिवार को ओबरा में हृदयविदारक घटना घाटी। एनएच 139 पर बेल मोड़ के समीप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समाने मैजिक वाहन से कुचलकर व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान ओबरा थाना क्षेत्र के गिरा गांव निवासी 55 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद के रूप हुई। राजेंद्र खादी ग्रामोद्योग में कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार सुबह करीब साढ़े पांच बजे वो टहलने के लिए निकले थे, बेल मोड़ के समीप चाय दुकान से चाय पीकर अपने भाई उदय प्रसाद के साथ खादी ग्रामोद्योग लौट रहे थे। तभी दाउदनगर की ओर से छठ व्रतियों को लेकर देव जा रही लाल रंग की मैजिक गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे राजेंद्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उपेंद्र घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों, ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों के चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग पर सड़क जाम कर यातायात बाधित कर दिया। छह बजे से 10 बजे तक चार घंटे तक आवागमन बाधित रहा।

अफसरों ने परिजनों को दिया मुआवजे का भरोसा

घटना की सूचना पर बीडीओ अशोक कुमार, थानाध्यक्ष संजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे व लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। बीडीओ ने परिजनों को चार लाख रुपये मुआवजा का आश्वासन दिया। तब जाकर लोग सड़क से हटे।

आगरा: 15 दिन में जुर्माना जमा न किया तो यूपीपीसीबी दर्ज कराएगा केस

फैलाया प्रदूषण, एनएचएआई पर 7 करोड़ का जुर्माना

एजेंसी ⏭ आगरा

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) पर यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आगरा में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने व वायु प्रदूषण फैलाने पर 6.84 करोड़ का जुर्माना लगाया है। 15 दिन में जुर्माना राशि जमा नहीं करने पर एनएचएआई पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद समेत पूरे ताज ट्रिपेजियम जोन में पिछले पांच साल से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के चौड़ीकरण, फ्लाईओवर, अंडरपास निर्माण, मरम्मत व ध्वस्तीकरण आदि कार्य लापरवाह ढंग से चल रहे हैं। टीटीजेड कमेटी की 47वीं बैठक में मामला उठा। टीटीजेड चेयरमैन व कमिश्नर आगरा अनिल कुमार ने प्रदूषण फैलाने पर कार्रवाई के आदेश दिए थे।

सर्वे में पाई गई थी पर्यावरणीय क्षति

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, यूपीपीसीबी टीम ने हाईवे पर निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स का सर्वे किया। पर्यावरण व प्रदूषण मानकों का उल्लंघन पाया गया। निर्माण एवं ध्वस्तीकरण के समय प्रदूषण फैलने से रोकने के उपाय नहीं किए गए। नोटिस का भी जवाब नहीं दिया गया। 1865 दिन के आकलन में एनएचएआई द्वारा पर्यावरणीय क्षति पाई गई।

गोंडा में युवती समेत तीन लोगों के शव मिले

गोण्डा (उप्र)। गोण्डा-गोरखपुर रेल मार्ग पर शनिवार की सुबह एक युवती समेत तीन लोगों का शव मिले हैं। गोण्डा-गोरखपुर रेल खंड पर मनकापुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत शनिवार की सुबह रेल लाइन के समीप तीन शव बरामद हुए। उनके पास मिले टिकट से पता चला कि तीनों यात्री बस्ती से गाजियाबाद जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस को मृत युवती की हथेली पर एक मोबाइल नंबर लिखा हुआ मिला। इस नम्बर पर बात करने पर मृतकों की पहचान रीता (18), राज (20) पुत्र मोहन दास और अनिल कुमार (21) पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी जलालाबाद, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई।

खबर संक्षेप

माओवाद के समर्थन वाले पर्चे बांटने के आरोप में माकपा के दो छात्र कार्यकर्ता गिरफ्तार

कोझिकोड । माकपा के दो छात्र कार्यकर्ताओं को कथित रूप से माओवाद के समर्थन वाले पर्चे बांटने के आरोप में, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। राजनीतिक दल सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पत्रकारिता का छात्र ताहा फजल और विधि का छात्र अलान शुहैब माकपा के शाखा समिति सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को शुक्रवार की शाम पंतीरानकावु से हिरासत में लिया गया। उनसे पर्चे भी जब्त किए गए हैं। शनिवार को दोनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि कुछ पर्चों में अत्तापडी में चार संदिग्ध माओवादियों को मार गिराने की पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की गयी है। लेकिन, ताहा फजल के एक रिश्तेदार का कहना है कि उनका माओवादी संगठनों से कोई लेना देना नहीं है।

सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए शिवकुमार

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार को सीने और पीठ में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धन शोधन मामले में जमानत मिलने के बाद हाल ही में वह दिल्ली से लौटे हैं। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को उनकी सेहत के बारे में जानकारी दी। शिवकुमार के निजी सहायक त्यागराज ने बताया उनका रक्तचाप ज्यादा और शर्करा का स्तर कम था। उनको पीठ और सीने में दर्द की शिकायत थी। इन्हीं कारणों से उन्हें शुक्रवार की शाम शेषाद्रिपुरम के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया।

छत्तीसगढ़ : कट्टर नक्सली ने किया समर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा पुलिस के समक्ष शनिवार को एक 26 वर्षीय नक्सली ने आत्मसमर्पण किया। एक अधिकारी ने बताया कि नक्सली के ऊपर तीन लाख रुपए का इनाम था। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने शनिवार को बताया कि बमन मंडावी ने माओवादी विचारधारा से मोहभंग होने के बाद पुलिस के सामने समर्पण कर दिया।

कश्मीर हमले को लेकर कैंडल मार्च करेगी तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य के पांच श्रमिकों की कश्मीर में हुई हत्या को लेकर सोमवार को यहां कैंडल मार्च निकालेगी। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी मार्च के दौरान मंगलवार की घटना की निष्पक्ष जांच के लिये दबाव भी बनाएगी। मार्च शाम करीब पांच बजे बिरला प्लेनेटेरियम से शुरु होकर मैदान इलाके में गांधी की प्रतिमा पर समाप्त होगा। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के एक गांव बहल नगर के पांच निवासियों की मंगलवार को कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वे सेब के बागों में काम करने के लिये वहां गए थे।

तमाम कवायद अब ठंडे बस्ते में

अब नहीं होगा यूजीसी की जगह पर भारतीय उच्च-शिक्षा आयोग का गठन !

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) में बीते करीब दो वर्षों से देश में उच्च-शिक्षा को लेकर काम करने वाले सभी आयोगों और संस्थानों को भारतीय उच्च-शिक्षा आयोग नामक केवल एक नियामक के बैनर तले लाने को लेकर की जा रही तमाम कवायद अब ठंडे बस्ते में जाती हुई दिखाई दे रही है। क्योंकि कुछ वक्त पहले तक जहां मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी इससे संबंधित बिल के अंतिम प्रारुप को पहले कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर फिर तुरंत संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में इसे पास कराने का दम भर रहे थे। वहीं अब उनकी ओर से ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं कि हालिया किए गए पुनः अंतर-मंत्रालयी विमर्श के दौरान कुछ मंत्रालयों ने बिल को लेकर तैयार किए एमएचआरडी के अंतिम ड्राफ्ट पर कुछ आपत्तियां दर्ज की हैं। जिसके बाद मंत्रालय ने इसे कैबिनेट की इसी महीने में होने वाली बैठक की एजेड़ा सूची से लेकर संसद के शीतकालीन सत्र के लिए निर्धारित की गई तारीख की एजेंड़ा सूची से वापस ले लिया है। यहां बता दें कि वर्तमान में उच्च-शिक्षा का मौटे तौर पर देश में सवार्धिक कामकाज यूजीसी और एआईसीटीई द्वारा ही क्रियान्वित किया जाता है। नए आयोग के गठन के बाद इन दोनों को पूरी तरह से समाप्त किया जाना था।

कानून मंत्रालय का रेड सिग्नल

एमएचआरडी मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि नए आयोग के गठन को लेकर दोबारा तैयार किए गए बिल के अंतिम मसौदे को जब अंतर-मंत्रालयी विचार-विमर्श के लिए भेजा गया। तब उसमें सबसे कड़ी आपत्ति कानून मंत्रालय की ओर से जाहिर की गई थी। इसमें उसने कहा कि वह आयोग को लेकर खुश नहीं है। क्योंकि वर्तमान में कानूनी शिक्षा को लेकर उनका अपना पृथक आयोग, कानूनी संस्थान और विश्वविद्यालय हैं। साथ कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए क्लेट परीक्षा का आयोजन भी किया जाता है। इसे वह किसी अन्य आयोग के मातहत लाने को तैयार नहीं हैं। इसी तरह से मेडिकल और आर्किटेक्चर जैसे विषयों को लेकर भी उच्च-शिक्षा आयोग के संबंध में विरोध सामने आएं। जिसके बाद एचआरडी मंत्रालय ने इसे तुरंत वापस लेने का निर्णय लिया।

पीएमओ, राज्यों की सहमति

इस वर्ष के मध्य में बिल के ड्राफ्ट को तैयार करते वक्त एचआरडी मंत्रालय द्वारा राज्यों समेत तमाम अन्य हितधारकों से विस्तृत परामर्श किया गया था। जिसमें उसे करीब 12 हजार सुझाव भी प्राप्त हुए थे। इन्हें शुरुआती ड्राफ्ट में शमिल कर उसका नया संशोधित वर्जन तैयार किया गया था और उस पर प्रधानमंत्री कार्यालय में भी एक व्यापक प्रस्तुति दी गई थी। जिसे पीएमओ ने भी ग्रीन सिग्नल प्रदान किया था।

कांग्रेस ने बनाया विशेष ऐप,तैयार होगा विस्तृत डेटाबेस

सदस्यता अभियान की शुरुआत सबसे पहले छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गोवा में होगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश भर में पांच करोड़ लोगों को अपने साथ जोड़ने के लक्ष्य के साथ सदस्यता अभियान शुरू करने वाली कांग्रेस ने इसके लिए एक विशेष ऐप तैयार किया है जिसके तहत वह अपने नए सदस्यों का विस्तृत डेटाबेस तैयार करेगी। यह डेटाबेस नए सदस्यों के वर्ग और पेशे के आधार पर तैयार किया जाएगा। सदस्यता अभियान से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पार्टी की ओर से तैयार कराए गए इस ऐप का नाम ऑफीशियल आईएनसी मेम्बरशिप है जिसकी शुरुआत आगामी चार नवम्बर को हो सकती है। इस ऐप को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मंजूरी भी मिल गयी है। यह ऐप तैयार करने वाली टीम के एक पदाधिकारी ने कहा कांग्रेस भाजपा की तरह मिस्ड कॉल के जरिये नहीं, बल्कि इस ऐप के माध्यम से वास्तविक सदस्य बनाना चाहती है। इस ऐप के जरिये सदस्यता अभियान की शुरुआत सबसे पहले छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गोवा में होगी। फिर देश के दूसरे राज्यों में इसका विस्तार किया जाएगा। इस ऐप के माध्यम से कांग्रेस की सदस्यता लेने वाले व्यक्ति का पहले फोन नम्बर डाला जाएगा और फिर उसकी तस्वीर ली जाएगी। बाद में वर्ग और पेशे के विकल्पों में से संबंधित विकल्प को भरने के बाद उसके सदस्यता फॉर्म को सबमिट कर दिया जाएगा।

आरसीईपी से अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है सरकार: सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अर्थव्यवस्था में सुस्ती और क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते आरसीईपी को लेकर शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार आरसीईपी के माध्यम से पहले ही बुरी स्थिति का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है। पार्टी महासचिवों एवं प्रभारियों की बैठक में सोनिया ने यह आरोप भी लगाया कि अर्थव्यवस्था की खराब स्थिति को स्वीकारने और इसे ठीक करने के कदम उठाने के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'सुर्खियां बटोरने एवं आयोजनों के प्रबंधन' में व्यस्त हैं।

दिल्ली में मोदी सरकार के खिलाफ रैली करेगी कांग्रेस, सोनिया, राहुल और प्रियंका करेंगी संबोधित

नई दिल्ली,। कांग्रेस आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, कृषि संकट और क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी (आरईसीपी) के मुद्दों को लेकर अगले महीने दिल्ली में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विशाल रैली करेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं को बताया कि इस रैली को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रैली की तिथि बाद में तय की जाएगी।

सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमले के चार दोषियों को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

रामपुर। सीआरपीएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले के मामले में शनिवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। इस मामले में कोर्ट ने छह दोषियों में से चार को फांसी की सजा सुनाई है। जबकि दोषी जंग बहादुर को उम्र कैद तो वहीं फहीम को दस साल की सजा सुनाई है। ये सजा रामपुर के एडीजे-तृतीय की कोर्ट ने सुनाई है। बता दें, 31 दिसम्बर 2007 की रात्रि को रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला किया गया था। इसमें एक रिक्शा चालक की मौत हो गई थी। जबकि 7 जवान शहीद हो गए थे। इस मामले में कोर्ट ने गुरुवार को ही छह आरोपियों को दोषी करार दिया था, और दो को बरी कर दिया। एडीजे-3 की कोर्ट ने आज दोषी मो फारुख, मो शरीफ, इमरान शहजाद और शहाबुद्दीन को फांसी की सजा सुनाई। जबकि जंगबहादुर खान को उम्र कैद और

फहीम अरशद अंसारी को 10 साल की सजा सुनाई। इस मामले में एडीजे तृतीय कोर्ट में 19 अक्टूबर को बहस पूरी हो गई थी। इससे पहले एटीएस ने कहा था कि 1 नवंबर को अपर जिला न्यायाधीश-3, रामपुर की अदालत ने छह लोगों को विभिन्न धाराओं के तहत दोषी करार दिया था। एटीएस ने बताया कि प्रतापगढ़ के मुहम्मद कौसर और बरेली के गुलाब खान पर वारदात में इस्तेमाल हथियारों को छिपाने का आरोप था लेकिन अदालत ने उन्हें इस मामले में दोषी नहीं माना। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर 31 दिसंबर 2007 की रात आतंकी हमला हुआ था।

महाराष्ट्र ने वर्षा प्रभावित किसानों की तत्काल सहायता के लिए 10,000 करोड़ रुपये मंजूर किए

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए विशेष प्रावधान के तौर पर शनिवार को 10,000 करोड़ रुपये मंजूर किए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नुकसान पर चर्चा के लिए अपने सरकारी आवास पर आयोजित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में यह निर्णय लिया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कम से कम आधा दर्जन जिलों के 325 तालुकाओं में फैले 54.22 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त फसलों में ज्वार, धान, कपास और सोयाबीन शामिल हैं। बैठक में जल संसाधन और जल संरक्षण राज्य मंत्री विजय शिवतारे भी शामिल हुए। वह शिवसेना के एकमात्र प्रतिनिधि थे जो इस बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में शामिल अन्य मंत्रियों में चंद्रकांत पाटिल, गिरीश महाजन, सुभाष देशमुख, अनिल बोंडे, सदाभाऊ खोत, सुरेश खाडे, महादेव जानकर शामिल थे। बैठक में, मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में जमीनी स्थिति की समीक्षा करने और प्रदान की जाने वाली सहायता के ब्यौरे को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

किसान ने की आत्महत्या , परिजन ने बर्बाद हुई फसल को बताया कारण

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पचास साल के एक किसान ने 29 अक्टूबर को कीटनाशक दवा खाकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि किसान के परिवारवालों के अनुसार असामयिक वर्षा के कारण फसल को हुए नुकसान के कारण किसान ने आत्महत्या की। मृतक का नाम धर्मा जाधव था और वह डहाणू तालुका जिरवापड़ा गाँव का निवासी था। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है लेकिन किसान के परिजन का कहना है कि असामयिक वर्षा से जाधव के खेत में अत्यधिक पानी भर गया जिसके कारण फसल नष्ट हो गयी। इस नुकसान से जाधव अवसाद में चला गया था। अधिकारियों ने जाधव के परिजन के दावे की जाँच करते हुए कहा कि मृतक ने किसी वित्तीय संस्थान से कोई ऋण नहीं लिया था। दहानू तालुका के तहसीलदार राहुल सारंग ने कहा कि जिला कृषि विभाग की रिपोर्ट आने के बाद जाधव के परिवारवालों को चार लाख रुपए मुआवजा मिलेगा।

गुजरात उपचुनाव परिणाम से मोदी-शाह खफा

अब खुद रखेंगे सूबे पर सीधी नजर

नईदिल्ली.ब्यूरो। गुजरात विधानसभा उप चुनाव के नतीजों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के माथे पर बल ला दिया है। गृहराज्य में इस तरह के निराशाजनक प्रदर्शन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह स्थानीय नेतृत्व से खासे नाराज हैं और सूबे में पार्टी के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए नेता द्वय ने खुद मोर्चा संभालने का फैसला किया है। दोनों नेता अब हर माह कम से कम एक दौरा गुजरात का जरूर करेंगे। हाल में हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के साथ ही गुजरात में भी विधानसभा की 6 सीटों के लिए उपचुनाव हुए थे। प्रतिष्ठा की इस लड़ाई में सूबे की विजय रूपाणी सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। बावजूद पार्टी 3 सीटों को ही जीतने में कामयाब हो सकी। यही बात मोदी और शाह को अखर रही है कि आने वाले दिनों में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,ऐसे में गृहराज्य गुजरात से खराब प्रदर्शन का संदेश पूरे देश में जाएगा। अगर गुजरात से पांव उखड़े तो विरोधी भारी पड़ सकते हैं। इसी के चलते स्थानीय नेतृत्व से दोनों नेता खफा हैं। इसकी बानगी भी 31 अक्टूबर को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में गए प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में दिखाई भी पड़ी कि मुख्यमंत्री सहित किसी भी स्थानीय नेता को इसमें शामिल नहीं किया गया।

- दोनों नेता अब हर माह कम से कम एक दौरा गुजरात का जरूर करेंगे

दीक्षांत समारोह...

मंगलुरु में शनिवार को एनआईटीके के दीक्षांत समारोह में ग्रुप पोज़ देते उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के आठ मछुआरों को पकड़ा

रामेश्वरम। श्रीलंका की नौसेना ने उनके समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में शनिवार को तमिलनाडु से आठ मछुआरों को गिरफ्तार किया। सहायक मत्स्य निदेशक कुमारेसन ने बताया कि ये आठ मछुआरे पुडुक्कोट्टई जिले के कोट्टईपट्टनम गांव से थे। ये सभी अनालाई द्वीप के तट पर मछली पकड़ रहे थे तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि रामनाथपुरम और पुडुक्कोट्टई जिलों से मछुआरे करीब 2,000 नौकाओं में सवार होकर समुद्र में गये थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री पटेल को हाईकोर्ट का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दमोह से भाजपा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को नोटिस जारी किए। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आरके श्रीवास्तव की एकलपीठ ने दमोह से पराजित प्रत्याशी प्रताप सिंह की चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए पटेल से जवाब-तलब किया। चुनाव याचिका में केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए निर्देशों की अवहेलना का आरोप लगाते हुए पटेल का निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग की गई है। दमोह जिले की तें दू खे ड़ा तहसील के बैरागढ़ ग्राम निवासी प्रताप सिंह ने यह चुनाव याचिका दायर कर कहा कि उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में बतौर कांग्रेस प्रत्याशी दमोह से चुनाव लड़ा था।

कश्मीर के बारामूला जिले से लश्कर का आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले से सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दानिश अहमद चन्ना को शुक्रवार रात को सोपोर इलाके में एक अभियान के दौरान पकड़ा गया और उसके पास से एक पिस्तौल तथा एक हथगोला बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गयी है। बारामूला जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों ने दो सक्रिय आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

कैट रिपोर्ट का खुलासा

देश में 60 फीसदी कम हुआ चीनी वस्तुओं का कारोबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उपभोक्ताओं में देसी वस्तुओं की खरीदारी के प्रति जागरूकता बढ़ने लगी है, साथ ही चीनी वस्तुओं का बहिष्कार किया जा रहा है। इस बात का खुलासा कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा इस साल दीपावली के अवसर पर देश के 21 शहरों में कराए गए सर्वे में हुआ। कैट का कहना है कि इस साल दीपावली में चीनी वस्तुओं की बिक्री में 60 फीसद तक की गिरावट आई है। चीन अब तक भारतीय बाजार को बिक्री के लिए प्रमुख मानता था। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि एक अनुमान के अनुसार दिवाली पर 2018 में बेचे जाने वाले चीनी उत्पादों का मूल्य करीब 8000 करोड़ था,जबकि इस साल त्योहारों में चीनी सामान की बिक्री करीब 3200 करोड़ रुपए की रही।

चीनी वस्तुएं पिछली दिवाली में 8 हजार करोड़ रुपए और इस साल 3200 करोड़ रुपए की बिकी

कैट ने जुलाई में चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया था

पारवानी ने बताया कि इस साल जुलाई में कैट ने चीनी वस्तुओं के बहिष्कार के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया था। इसमें चीनी उत्पादों की बिक्री में लगभग 30 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान ही कैट ने उपभोक्ताओं में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदी व उपयोग के प्रति जागरूकता पैदा कर दी थी। कैट के सहयोगी संगठन कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा 24 से 29 अक्टूबर के बीच सर्वे हुआ था। इसमें प्रमुख शहरों में रायपुर, दिल्ली, मुंबई, चेन्नाई, बेंगलुरू, हैदराबाद, भुवनेश्वर, कोलकाता, पांडिचेरी, देहरादून समेत देश के 21 शहर थे।

लोगों ने गिफ्ट आइटम, गैजेट्स, फैंसी लाइट्स और रसोई उपकरण कम खरीदे

चीनी उत्पादों की बिक्री में आई यह गिरावट भारतीय व्यापारियों की मानसिकता और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार को बता रहा है। उन्होंने बताया कि चीनी उत्पादों की बिक्री में आई यह गिरावट इसलिए भी आई कि लोगों ने गिफ्ट आइटम, इलेक्ट्रिकल गैजेट्स, फैंसी लाइट्स और रसोई के उपकरण, फुटवियर पर जोर नहीं दिया। सर्वेक्षण के आधार पर 85 फीसद व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने चीनी उत्पादों की बिक्री में गिरावट देखी है। केवल 15 फीसद व्यापारी ही मान रहे हैं कि भारत में अभी भी चीनी सामान का बाजार है। कैट के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, कार्यकारी महामंत्री परमानंद जैन ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के प्रति यह जागरूकता काफी अच्छी बात है।

नाबालिग लड़की से बलात्कार के जुर्म में व्यक्ति को सात साल की जेल

ठाणे। नाबालिग लड़की का अपहरण कर उससे बलात्कार करने के जुर्म में यहां की जिला अदालत ने 28 वर्षीय व्यक्ति को सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिला न्यायाधीश पी पी जाधव ने शाहरुख उर्फ साजिद मोहम्मद मुस्तिकीम शेख को यौन अपराध से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया। न्यायाधीश ने 18 अक्टूबर को व्यक्ति को सात साल सश्रम कारावास की सजा सुनाते हुए उस पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। हालांकि अदालत का यह आदेश शुक्रवार को जारी हुआ। अपराध के लिये उकसाने के तीन अन्य आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। अपनी दलील में अभियोजन पक्ष के वकील ने बताया कि घटना के वक्त पीड़िता की उम्र 16 साल थी और वह महाराष्ट्र के ठाणे जिले में काशीमीरा में अपने माता पिता के साथ रहती थी। पीड़िता जम्मू कश्मीर की रहने वाली थी। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर 2014 को 11वीं में पढ़ने वाली छात्रा जब कॉलेज से अपने घर नहीं लौटी तब उसके माता पिता ने स्थानीय पुलिस में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी। अगले दिन उनके कुछ पड़ोसियों ने उसके माता पिता को बताया कि शाहरुख ने ही लड़की का अपहरण किया है। पुलिस ने बताया कि जब लड़की के माता पिता उसे ढूंढने में नाकाम रहे तो भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया।

- अपराध के लिये उकसाने के तीन अन्य आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया

व्हाट्सएप जासूसी के पीछे कौन

गोपनीयता
प्रमोद जोशी

अप्रैल से मई के महीने में 20 देशों के यूजर्स के फोन हैक किए गए। कंपनी ने भारत में इससे प्रभावित लोगों की संख्या नहीं बताई है, लेकिन कहा है कि उनमें भारतीय भी हैं। दो दर्जन भारतीयों के नाम सामने आए हैं। कुछ ऐसे सवाल भी हैं, जिनके जवाब गोपनीयता में छिपे हैं। इस मालवेयर का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी होता है। ऐसा है तो बहुत सारे विवरणों का पता लगाना मुश्किल होगा। जिन 20 देशों के यूजर्स के फोन हैक हुए हैं, क्या उनमें कोई साम्य है? फिलहाल हमें सूचनाओं का इंतजार करना होगा।

वाट्सएप मैसेंजर पर स्पाईवेयर पेगासस की मदद से दुनिया के कुछ लोगों की जासूसी की खबरें आने के बाद से इस मामले के अलग-अलग पहलू उजागर हुए हैं। पहला सवाल है कि यह काम किसने किया और क्यों? जासूसी करना-करवाना कोई अजब-अनोखी बात नहीं है। सरकारें भी जासूसी करवाती हैं और अपराधी भी कराते हैं। राजनीतिक उद्देश्यों को लिए जासूसी होती है और राष्ट्रीय हितों की रक्षा और मानवता की सेवा के लिए भी। यह जासूसी किसके लिए की जा रही थी? इसकी जानकारी कौन देगा?

इसका जवाब या तो वॉट्सएप के पास है या इसरायली कंपनी एनएसओ के पास है। बहुत सी बातें सिटिजन लैब को पता हैं। कुछ बातें अमेरिका की संघीय अदालत की सुनवाई के दौरान पता लगेंगी। इन सवालों के बीच नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके निजी जीवन में राज्य के हस्तक्षेप का सवाल भी है। बड़ा सवाल है कि तकनीकी जानकारी के सदुपयोग या दुरुपयोग की सीमाएं क्या हैं? इस मामले के भारत और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ अलग-अलग हैं।

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि भारत सरकार वॉट्सएप पर नागरिकों की निजता के उल्लंघन पर चिंतित है। हमने वॉट्सएप से ये बताने को कहा है कि किस तरह का उल्लंघन हुआ और वह करोड़ों भारतीयों की निजता की सुरक्षा किस तरह कर रही है। वॉट्सएप का कहना है कि हमने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और भारत सरकार को भी मई में ही इस बात की जानकारी दे दी थी। वॉट्सएप ने अपने तकनीकी दोष को भी तभी ठीक कर लिया था। पर मई में जो सायबर सुरक्षा का मामला था, वह अब जासूसी और व्यक्ति के निजी जीवन की रक्षा का सवाल बन गया है।

भारत सरकार का कहना है कि जनवरी तक इस किस्म के मामलों से निपटने की व्यवस्था तय हो जाएगी। देश की सायबर सुरक्षा नीति घोषित होने वाली है, जिसमें इन बातों का जिक्र भी होगा। शुरू में यह मामला तकनीकी शब्दावली और उससे जुड़े पेचों तक सीमित था। पर बात केवल तकनीकी नहीं है, इसलिए इस मामले की लहरें अब उठ रही हैं।

अब जो हो रहा है, वह उपसंहार है, जिसके राजनीतिक और तकनीकी निहितार्थ हैं। इसमें भ्रम हैं और खतरे भी। लगे हाथ राहुल गांधी ने इसे राफेल मामले से जोड़कर बहती गंगा में हाथ धो लिए हैं। आप निष्कर्षों पर पहुंच चुके हैं, तो फिर पूरे जवाब भी दीजिए। सवाल यह है कि इस अंतरराष्ट्रीय जासूसी का सूत्रधार कौन है? इजरायली कंपनी का नाम आते ही कुछ लोगों ने इजरायल पर जिम्मेदारी डाल दी। भारत में विरोधी नेताओं ने सरकार पर हमला बोला है।

देश के करीब दो दर्जन पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के फोन हैक हुए हैं। क्या कारण है इस हैकिंग का और कौन चाहता है उनकी जासूसी? यह सिर्फ संयोग नहीं है कि यह जासूसी तब हुई जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे थे। पर क्या ऐसा पहली बार हुआ था? क्या यूपीए सरकार के तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी के दफ्तर में और सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह के यहां जासूसी नहीं हुई थी?

फेसबुक के स्वामित्व वाले वॉट्सएप ने गत 29 अक्तूबर को अमेरिका में कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में इजरायली फर्म एनएसओ के खिलाफ मुकदमा दायर किया है कि उसने वॉट्सएप का इस्तेमाल करते हुए अमेरिका और कुछ अन्य देशों में करीब 1400 लोगों के मोबाइल फोनों और उपकरणों पर मैलवेयर भेजकर जासूसी की। इस मैलवेयर का नाम पेगासस है। इसमें टार्गेट यूजर के पास एक लिंक भेजा जाता है। जैसे ही यूजर लिंक को क्लिक करता है, उसके फोन पर प्रोग्राम इंस्टॉल हो जाता है।

बताया जाता है कि वायरस के नवीनतम संस्करण में यूजर के क्लिक की जरूरत भी नहीं होती। पेगासस इंस्टॉल होने के बाद यूजर की जानकारियां इसे भेजने वाले को मिलने लगती हैं। फोन के माइक्रोफोन और कैमरा का इस्तेमाल भी होने लगता है। एनएसओ की तरफ़ से जारी बयान में कहा गया है कि हमारा एकमात्र उद्देश्य लाइसेंस प्राप्त सरकारी खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को आतंकवाद और गंभीर अपराध से लड़ने में मदद करने के लिए टेक्नोलॉजी देना है। हमारी तकनीक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए डिजाइन नहीं की गई है और न इसकी इजाजत है।

पेगासस के बारे में सबसे पहले 2016 में खबरें आई थीं। तब पता लगा था कि यूएई के मानवाधिकार कार्यकर्ता अहमद मंसूर के आईफोन 6 पर एक एसएमएस भेजकर उसे हैक किया गया था। इसके बाद एपल ने अपने ऑपरेटिंग सिस्टम में एक पैच डालकर इस दोष को दूर कर लिया था। सितंबर 2018 में टोरंटो विवि के मंक स्कूल की सिटिजन लैब ने बताया कि यूजर की जानकारी के बगैर भी पेगासस को इंस्टॉल किया जा सकता है। इसे जीरो डे एक्सप्लॉइट कहा गया। यानी कि जैसे ही किसी ऑपरेटिंग सिस्टम में मामूली सा दोष नजर आए, उसी वक्त हमला। उस दोष को दूर करने का समय भी कंपनी को नहीं मिलता।

स्पाईवेयर पेगासस के शिकार हुए लोगों में वैश्विक स्तर पर राजनयिक, सरकारों के राजनीतिक विरोधी, पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हैं। जिनकी जासूसी की गई है उनमें भारतीय पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल हैं। वॉट्सएप ने यह साफ नहीं किया है कि किसके कहने पर पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के फोन हैक किए गए। कंपनी ने कहा कि मई में उसे ऐसे साइबर हमले का पता चला जिसमें उसकी वीडियो कॉलिंग के ज़रिए एप का इस्तेमाल करने वाले लोगों को मैलवेयर भेजा गया।

अप्रैल से मई के महीने में 20 देशों के यूजर्स के फोन हैक किए गए। कंपनी ने भारत में इससे प्रभावित लोगों की संख्या नहीं बताई है, लेकिन कहा है कि उनमें भारतीय भी हैं। दो दर्जन भारतीयों के नाम सामने आए हैं। कुछ ऐसे सवाल भी हैं, जिनके जवाब गोपनीयता में छिपे हैं। इस मैलवेयर का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी होता है। ऐसा है तो बहुत सारे विवरणों का पता लगाना मुश्किल होगा। जिन 20 देशों के यूजर्स के फोन हैक हुए हैं, क्या उनमें को साम्य है? फिलहाल हमें सूचनाओं का इंतजार करना होगा।

शिवसेना की सौदेबाजी

सियासत
सुशील राजेश

बहुमत का स्पष्ट जनादेश मिलने के नौ दिन बाद भी गतिरोध जारी है। महाराष्ट्र में सरकार बनने के समीकरण सुलझ नहीं पाए हैं। हालांकि भाजपा-शिवसेना गठबंधन को कुल 161 सीटों पर जीत हासिल हुई है। इसमें 105 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है और शिवसेना के 56 विधायक हैं। भाजपा से लगभग आधी...इसके बावजूद शिवसेना को मुख्यमंत्री पद चाहिए। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस पद को अधिकार ही नहीं, पार्टी की जिद भी करार दिया है। स्थितियां ऐसी बनी हैं कि गठबंधन के दोनों पक्षों के बीच असंवाद पसरा है। शिवसेना किस 50-50 फॉर्मूले की बात कर रही है? यानी 2.5 साल मुख्यमंत्री भाजपा का और शेष अवधि में मुख्यमंत्री शिवसेना का! लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बीच, सत्ता हासिल होने की स्थिति में, पदों और जिम्मेदारियों को आनुपातिक तौर पर बांटने की बात तय हुई थी। गठबंधन के शुरुआती दिनों में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे और भाजपा नेता प्रमोद महाजन ने आपस में तय किया था कि ज्यादा सीटें जीतने वाले दल का मुख्यमंत्री और छोटे दल का उपमुख्यमंत्री होगा। जब 1995 में जनादेश मिला, तो शिवसेना के मनोहर जोशी मुख्यमंत्री बने और भाजपा के गोपीनाथ मुंडे उपमुख्यमंत्री बने। उस दौर में शिवसेना बड़े भाई के रूप में थी और भाजपा छोटा भाई होती थी। आज किरदार बिल्कुल उलट गए हैं, लिहाजा वह मुख्यमंत्री पद पर अड़ी है। हैरत तो यह है कि शिवसेना अपने ही संस्थापक नेता का फॉर्मूला मानने को तैयार नहीं है। पार्टी के बड़े नेता संजय राउत ने ही एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात नहीं की है,बल्कि उद्धव ठाकरे ने भी फोन पर पवार से बात की है। एनसीपी-कांग्रेस की वैकल्पिक घुड़की बार-बार दिखाना ही शिवसेना की सौदेबाजी और दबाव की राजनीति है, जबकि पवार एक इंटरव्यू में साफ कह चुके हैं कि शिवसेना के साथ सरकार बनाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। एनसीपी और कांग्रेस को विपक्ष में बैठने का जनादेश मिला है, लिहाजा वह यही धर्म निभाएंगे। दरअसल शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में रहना चाहती है, क्योंकि यह उसकी वैचारिक और चुनावी मजबूरी है। यदि वह एनसीपी-कांग्रेस के साथ वाकई सरकार बनाने की इच्छुक है, तो पहले शिवसेना को गठबंधन तोड़कर बाहर आना पड़ेगा। फिर पवार और कांग्रेस से समर्थन की गुहार लगानी पड़ेगी। क्या शिवसेना भाजपा से अलग होने का राजनीतिक ज़ोख़िम उठा सकती है? पवार सियासत के ऐसे कच्चे खिलाड़ी नहीं हैं कि शिवसेना की सत्ता के लिए अपनी पार्टी को 'बलि का बकरा' बना दें। इस बार भी शिवसेना भाजपा की ओर ही लौटेगी, लेकिन यह 8 नवंबर से पहले होना चाहिए,क्योंकि वह सरकार और विधानसभा के कार्यकाल का आखिरी दिन है। उसके बाद राष्ट्रपति शासन लगाया जाना संवैधानिक मजबूरी है। हास्यास्पद है कि शिवसेना इस सच्चाई को भी जनादेश का अपमान करार दे रही है। दरअसल शिवसेना को ही गठबंधन की गरिमा निभाना नहीं आता। भाजपा गठबंधन को बरकरार रखने के लिए शिवसेना को झेलती आई है। शिवसेना को याद रखना चाहिए कि करीब 35,000 करोड़ रुपये के बजट वाली बीएमसी में शिवसेना की सत्ता भाजपा के समर्थन पर ही टिकी है। दरअसल इस बार शिवसेना की राजनीतिक सौदेबाजी तमाम हदें लांघ रही है। क्या इसे ही गठबंधन कहते हैं?

> शुरुआती दिनों में बाल ठाकरे और भाजपा नेता प्रमोद महाजन ने आपस में तय किया था कि ज्यादा सीटें जीतने वाले दल का मुख्यमंत्री और छोटे दल का उपमुख्यमंत्री होगा। अब शिवसेना उस नियम को मानने को तैयार नहीं है। अब सौदेबाजी ही शिवसेना की राजनीति है।

बगदादी के बाद क्या

आतंक
प्रभात कुमार रॉय

आखिरकार दुर्दान्त ज़ेहादी सरगना अबु बक़्र अल-बग़दादी ने अमेरिकी फौजी दस्ते के एक आक्रमण के दौरान खुद को बम विस्फोट से उड़ा लिया। समस्त विश्व के लिए यह खबर इतनी महत्वपूर्ण थी कि इसको प्रस्तुत करने लिए स्वयं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप उपस्थित हुए। इस्लामिक स्टेट के सरगना अल-बग़दादी द्वारा खुद को स्वयंभू खलीफा घोषित किया गया था। इस्लामिक स्टेट द्वारा किए जुल्म वस्तुतः बर्बर सामंती मध्य युग की कटु स्मृतियों को ताजा कर देते हैं। ट्रंप के लिए अल-बग़दादी की मौत वस्तुतः स्वयं उनके लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सीरिया से अमेरिकन फौजी दस्तों की घर वापसी का हुक्म देने के बाद ट्रंप को अमेरिका में पक्ष और विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। अब यक्षप्रश्न यह है कि बग़दादी के सफाए के पश्चात इस्लामिक स्टेट आखिर किस गति को पहुंचेगा। उल्लेखनीय है कि लादेन की हलाक़त ने अलक़ायदा को अत्यंत कमजोर कर दिया था, हालांकि उसके उत्तराधिकारी अल-जरकावी ने अलक़ायदा को पुनः खड़ा करने की कोशिश की। अंततः अल-जरकावी की मौत के पश्चात तो विश्वपटल पर अलक़ायदा शक्तिहीन सा हो गया। अलकायदा के पराभव के पश्चात इराक में अलकायदा के अवशेषों पर बगदादी ने बेहद बर्बर तंजीम इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक़ एंड सीरिया (आईएसआईएस) का गठन किया। जब आईएसआईएस तंजीम का विस्तार इराक़ और सीरिया की हदों से निकलकर जब एशिया और अफ्रीका के अनेक मुल्कों तक हो गया तो फिर आईएसआईएस का नाम परिवर्तित करके इस्लामिक स्टेट (आईएस) कर दिया गया।

अब प्रश्न यह है कि बग़दादी की मौत आईएस तंजीम को किस हश्र तक पहुंचा देगी? सीरिया और इराक़ में आईएस द्वारा अपने आधिपत्य वाले इलाकों को पूर्णतः गंवा दिया है। एशिया में अफ़गानिस्तान, पाकिस्तान, टर्की, यमन, बांग्लादेश, मलेशिया, सऊदी अरब आदि मुल्कों में आईएस तंजीम अभी विद्यमान है। बग़दादी के उत्तराधिकारी के तौर पर ज़ेहादी सरगना अब्दुल करदाश का नाम सामने आया है। अब्दुल्ला करदाश को आईएस तंजीम में प्रोफेसर के नाम से भी पुकारा जाता है। यक़ीनन ज़ेहादी सरगना बगदादी का भौतिक खात्मा हो जाने से, आईएस तंजीम का खात्मा कदापि नहीं होने वाला है। पाक़िस्तान को जब तक अपनी चाल और चरित्र पूर्णतः परिवर्तित नहीं करने के लिए पूर्णतः मजबूर नहीं कर दिया जाता, तब तक अलक़ायदा और इस्लामिक स्टेट सरीखी जेहादी तंजीम का उदय होता रहेगा। पहले अफ़गानिस्तान में और फिर भारतीय कश्मीर में ज़ेहादी आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा प्रश्रय और परिपोषण पाकिस्तान द्वारा प्रदान किया गया, जोकि आज तक बाकायदा जारी है। अलक़ायदा सरीखी ज़ेहादी तंजीम का उदय पाक़िस्तान की सरजमीन पर ही हुआ था।अमेरिका जैसा राष्ट्र जो 9/11 को बर्बर आक्रमण झेल चुका था, सीरिया में राष्ट्रपति असद की सत्ता को उखाड़ने के लिए ज़ेहादी तंजीम अल-नुसरा को अस्त्र-शस्त्र प्रदान करता रहा। एफएटीएफ द्वारा पाक़ को ब्लैक लिस्ट में डालने के लिए और अधिक वक्त प्रदान किए जाने से सिद्ध होता है कि विश्व शक्तियां वैश्विक ज़ेहादी आतंकवाद से निर्णायक संघर्ष करने में संकोच कर रही हैं। आतंकवाद के खात्मे के लिए, सबसे बड़े ऐतिहासिक दुर्ग पाकिस्तान को ढाया जाना अत्यंत आवश्यक शर्त है।

> बग़दादी के उत्तराधिकारी के तौर पर अब्दुल करदाश का नाम सामने आया है। बगदादी का भौतिक खात्मा हो जाने से, आईएस का खात्मा कदापि नहीं होने वाला है। पाक़िस्तान को जब तक अपना चरित्र बदलने के लिए मजबूर नहीं कर दिया जाता आतंकी संगठनों का उदय होता रहेगा।

विपश्यना को तो बख्श दो

खरी-खरी
प्रो. पी.के. आर्य

राजनीति महाठगिनी हम जानी, जिसने भी कहा, ठीक ही कहा। भारतीय आध्यात्मिक मूल्यों में ध्यान का स्थान सर्वोपरि है। विश्व को भारत ने जो दिया है ,वह अप्रतिम है और उस अप्रतिम के सर पर रखा हुआ स्वर्ण मुकुट ध्यान है। पश्चिम के एक विचारक हुए है मैक्यावेली, उन्हें वहां का चाणक्य माना जाता है। उसका कथन था कि राजनीतिज्ञों को शब्दों का प्रयोग करने में सावधानी रखनी चाहिए, उनकी भूल से शब्द अपनी गरिमा खो सकते हैं। आजकल ऐसा ही कुछ देखने पढ़ने को मिल रहा है।

शब्दों के साथ जितना अत्याचार हमारे यहां होता है इतना शायद ही कहीं होता हो। विपश्यना जैसी अनन्य ध्यान प्रक्रिया को हमने उपहास का विषय बनाकर रख दिया है। जिन्हें ध्यान का रत्ती भर भी ज्ञान नहीं वे ध्यान की बात करने चले हैं। विपश्यना भगवान बुद्ध की ध्यान विधियों में सबसे प्रमुख है। वस्तुतः यह आत्मरूपांतरण की कीमिया है। विपश्यना सबसे सरल और सर्वाधिक जटिल ध्यान प्रक्रिया है। धम्मपद की देशनाओं में बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं इहि पश्यिको, इसका अर्थ है, आओ और देखो। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि स्वयं को पुनः निरीक्षित करने की ध्यानपूर्ण विधि का नाम विपश्यना है।

असल में विपश्यना ध्यान अपने किसी भी प्रयास के बिना आती जाती हुई श्वास को देखने का विज्ञान है। धीरे धीरे श्वांस की गति नियंत्रित होती जाती है और सिर्फ साक्षी भाव शेष रह जाता है। यहीं से आत्मरूपांतरण की महान घटना का उदय होता है। विपश्यना के साधक का जीवन दो हिस्सों में विभक्त हो जाता है, विपश्यना पूर्व और विपश्यना पश्चात! इस ध्यान को करने वाला व्यक्ति वैसा नहीं रह जाता, जैसा वह पहले था।

विपश्यना ने जितना मनुष्यों को सम्बोधि की उपलब्धि कराई है उतनी किसी और ध्यान ने नहीं। नारदमुनि अपने ब्रह्मसूत्' में जिन मानसिक संवेगों और सतोरियों के प्रभाव की चर्चा करते हैं, वे सभी विपश्यना ध्यान पद्दति के प्राथमिक चरणों का आस्वाद भर हैं। आत्मउत्थान के विभिन्न चरण यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा , ध्यान और समाधि आते हैं, उस क्रम के अनुपालन की भी विपश्यना में कोई अनिवार्यता शेष नहीं रह जाती। वस्तुतः ये कड़ियां चित्त की वृत्ति का निरोध करती हैं जबकि विपश्यना चित्त के परिष्कार की कीमिया है। योग के सार्थक साधक प्रायः साधना के लिए तीन मार्गों का अनुसरण करते हैं, विपश्यना, भावातीत और हठयोग। विपश्यना ध्यान में व्यक्ति सभी तरह के व्यवधानों से परे स्वयं के निरीक्षण क्रम में अंतर की यात्रा का साक्षी बनता है।

श्वांस की गति वस्तुतः हमारे पूरे जीवन की गति को निर्धारित और नियंत्रित करती है। मानस विज्ञानियों विशेषकर भारतीय ऋषियों को जैसे ही इस बारीकी का बोध हुआ, वैसे ही इसके सार्थक प्रयोगों से जीवन की समस्याओं से मुक्ति के विकल्प मिलने लगे। हम श्वांस की गति को नियंत्रण में रखकर शरीर की प्रतिक्रियाओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। विपश्यना इसमें चमत्कारिक परिणाम प्रदान करती है।

विपश्यना के लाभों से जब सभी परिचित हुए तो इसे सभी ने अपनाया भी। सिकंदर जब विश्व विजेता बनकर आक्रमण हेतु भारत की सीमा में दाखिल हुआ तो राजा पुरु से संग्राम के समय ही उसने अपने गुरु डायोजिनीज से विपश्यना सीखने की अपील की। डायोजनीज ने आचार्य चाणक्य से विपश्यना के प्राथमिक चरणों को सीखा। कहते हैं विपश्यना ध्यान के प्रयोगों से ही सिकंदर का हृदय परिवर्तन हुआ और वह अपने विश्व विजय के संकल्प को दरकिनार कर वापस लौट गया। अपनी मृत्यु के बाद ताबूत के बाहर दोनों हाथ खाली लटकाने के आदेश के पीछे ध्यान द्वारा अवतरित प्रज्ञा का प्रभाव था। बुद्ध का जीवन अपने जन्म स्थल लुम्बनी से लेकर सारनाथ, राजगीर, श्रावस्ती, बोधगया, नालंदा से होता हुआ उनके परिनिर्वाण स्थल कुशीनगर के मध्य ही केंद्रित रहा। प्रायः इन सभी स्थानों पर बौद्ध संस्थाओं और भारत सरकार के अध्ययन केंद्रों में विपश्यना ध्यान के विधिवत पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। भारत आज भी पूरी दुनिया में विपश्यना ध्यान को कराने के लिए विश्वसनीय और प्रामाणिक स्थान है। अमेरिका, इंग्लैंड, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, जापान, चीन, कोरिया आदि समस्त देशों में उन्हीं केंद्रों की प्रतिष्ठा है जो भारत से संबद्ध या मान्यता प्राप्त हैं। थाईलैंड, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, सिंगापुर और इंडोनेशिया ध्यान के प्रशिक्षण हेतु भारत पर ही निर्भर हैं। थाईलैंड के बैंकॉक स्थित ओरियंटल कल्चरल अकादेमी के प्रमुख जस्टिस प्रीदी कासिम ने उनके ही संस्थान में आयोजित एक समारोह में आश्चर्य व्यक्त किया था कि जब कोई यह कहता है कि भारत से ध्यान सीखने वह थाईलैंड आया है तो वह अचंभित रह जाते हैं।

> ये कैसे ध्यानी हैं, जिन्हें मोबाइल फोन की स्वीकृति है। सिर्फ इतना ही नहीं ये ध्यान के दौरान देश विदेश सब पर नजर रखे हुए हैं। अपनी इच्छा और सुविधा से आप ट्वीट भी कर रहे हैं। वाह भाई वाह अब ध्यान ही मिला था, आड़ के लिए। आप कुछ भी कर रहे हो एक बात तो तय है आप ध्यान नहीं कर रहे और विपश्यना तो बिलकुल भी नहीं।

इन तथ्यों को जानकर आपको भी विस्मय हो रहा होगा कि जिस विधि को सीखने पूरी दुनिया हमारे द्वार पधार रही है, उसे सीखने के लिए कुछ लोग विदेश जाने का ढोंग करते हैं, उसमें कितनी सच्चाई है? दूसरे ध्यान कोई उत्पाद नहीं है कि जहां से मर्जी खरीद लिया जाए। ध्यान एक तप है, एक साधना है, जो बहुत एकनिष्ठता और संस्कार की परिधि में पनपती है। साधक का जीवन दर्पण सरीखा होता है। महावीर अनुगामियों से कहते थे कि मेरी शिक्षाओं के प्रमाण मेरे अनुयायी हैं। मेरे कहे में कितना सत्य है यह मेरे अनुयायिओं के आचरण से देख लो।

ध्यानी व्यक्ति का कृत्य ध्यान से आपूरित होता है। उसका बैठना ध्यान है, चलना ध्यान है, बोलना ध्यान है, देखना ध्यान है और अंततः उसका होना ध्यान है। एक अवधि के उपरान्त आप ध्यान करते नहीं, आप ध्यान होते हैं। परम शांति और ऊर्जा के प्रफुल्ल संवेग आपके जीवन की रसधार परिवर्तित करते हैं। अनुभवी ध्यानी व्यक्ति को एक झलक भर देखने से यह पता लगा लेते हैं कि वह ध्यान का साधक है भी या नहीं। ध्यानी व्यक्ति आस्तीनें चढ़ाकर किसी अखाड़े के नौसिखिये पहलवान जैसी हरकतें नहीं करता। चीखने चिल्लाने और बदहवासी का तो कोई प्रश्न ही पैदा नहीं होता। विपश्यना ध्यान परम समर्पण और कैसी भी परिस्थिति में मन, बुद्धि और शरीर के विचलित न होने का विज्ञान है। ध्यान की अवस्था में सिर्फ श्वासों का आवागमन देखना या यूं कहें अनुभूत करना होता है। एक अवस्था ऐसी भी आती है जब परम आत्मतोष में आप अपने हृदय की धड़कनों तक को भी नहीं सुन पाते। ये कैसे ध्यानी हैं, जिन्हें मोबाइल फोन की स्वीकृति है। सिर्फ इतना ही नहीं ये ध्यान के दौरान देश विदेश सब पर नजर रखें हुए हैं। अपनी इच्छा और सुविधा से आप ट्वीट भी कर ले रहे हैं। वाह भाई वाह अब ध्यान ही मिला था, आड़ के लिए। आप कुछ भी कर रहे हों एक बात तो तय है आप ध्यान नहीं कर रहें और विपश्यना तो बिलकुल भी नहीं। अब आगे से कुछ भी कहना ध्यान की ओट मत लेना, दुनिया हंसेंगी आप पर। पहले फज़ीहत कम थी, अब नए शिगूफे ढूंढ़ लिए। अरे इतना तो ध्यान कर लेते की ध्यान का ध्यान रहता।

राग दरबार

बाबूओं की फजीहत

अलग-अलग विभागों में तैनात केंद्र के नौकरशाहों के प्राण सूखे जा रहे हैं। क्योंकि नई व्यवस्था के तहत हर हाल में सरकार द्वारा निधार्रित किए गए लक्ष्यों की धरातल पर पूर्ति करके दिखानी है। जो नाकाम साबित हो रहा है, उस पर गाज गिरनी भी शुरू हो गई है। इसकी बानगी सत्ता के केंद्र बिंदु समझे जाने वाले शास्त्री भवन में नियुक्त एक वरिष्ठ नौकरशाह की हुई फजीहत से देखने को मिली। पीएमओ ने उन्हें एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत देश में हुए कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को लेकर एक प्रेजेंटेशन देने के लिए तलब किया था, लेकिन उनकी प्रस्तुति की शुरुआत में ही पीएम इतने खफा हो गए कि तत्काल अधिकारी को न केवल जमकर खरी-खोटी सुनाई बल्कि उनके मूल कैडर में रवानगी का फरमान सुना दिया। माना जा रहा है कि पीएमओ के मानकों पर खरे न उतरने वाले बाबूओं की लंबी सूची है। जिनकी फजीहत होनी तय है।

क्षत्रपों को राहत

देश में 17वीं लोकसभा के चुनाव में भाजपा के दोबारा सत्ता में आने के बाद राजनीतिकार मानने लगे थे कि क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खतरे में आ गया है, लेकिन हाल ही में संपन्न हुए महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने क्षेत्रीय दलों की चिंताओं को काफी हद तक मिटा दिया। दोनों राज्यों के साथ करीब डेढ़ दर्जन राज्यों में उप चुनाव के नतीजों से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी राहत की सांस मिली है। हरियाणा में तो दस माह पहले बनी जजपा को भाजपा के साथ सरकार में हिस्सेदारी मिल गई है। सियासी गलियारों है कि भाजपा ने चुनाव में स्थानीय के बजाए राष्ट्रीय मुद्दों के आधार पर प्रचार किया, सिरे नहीं चढ़ सका।

प्रदूषण पर सियासत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रदूषण के खतरनाक हालातों पर मुख्यमंत्री केजरीवाल को सियासी साजिश नजर आ रही है। दीवाली के बाद दिल्ली-एनसीआर में बद से बदतर होते हालातों के लिए वो अपनी सरकार को जिम्मेदार मामने का तैयार नहीं। उन्होंने पडोसी राज्यों यूपी, हरियाणा व पंजाब सरकार पर प्रदूषण का ठीकरा फोड़ने के प्रयास ही नहीं किया, बल्कि यहां तक चेतावनी दे डाली कि प्रदूषण के लिए विपक्षी दल दिल्ली वालों को गाली देना बंद करें। हरियाणा, पंजाब और यूपी की भाजपा-कांग्रेस की सरकारें आप की दिल्ली सरकार को घेर रही हैं। दरअसल दीवाली के बाद से दिल्ली एनसीआर में खतरनातक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण ने राजधानी में लोगों का जीना मुहाल किया हुआ है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सक्रिय शायद इसलिए भी नजर आ रहे हैं कि वह आगामी दिल्ली विधानसभा की तैयारी में दिल्लीवासियों को तरह तरह की घोषणाएं करके लुभाने की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। सोशल मीडिया पर सवाल हो रहे हैं कि साढ़े चार साल केजरीवाल ने कुछ नहीं किया और अब रेवडियां बांट रहे हैं।

पर्यटक राज्यपाल

पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल जगदीप धनकड़ की सक्रियता सूबे की तृणमूल कांग्रेस सरकार को रास नहीं आ रही है। राज्य में उनके दौरे से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और मंत्री परेशान हैं। तृणमूल सरकार अपनी खीझ मिटाते हुए उन्हें पर्यटक राज्यपाल कहने लगी है। इसकी शुरुआत तब हुई जब केंद्रीय मंत्री बाबूल सुप्रियों पर जाधवपुर विश्वविद्यालय में छात्रों के एक वर्ग ने हमला कर दिया तो राज्यपाल जगदीप धनकड़ प्रोटोकाल तोड़कर उन्हें बचाने खुद पहुंच गए। हालांकि सरकार ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें दुर्गापूजा में आमंत्रित न कर अपना रोष दिखाया। बावजूद धनकड़ सक्रिय हैं। हुबली के दौरे से लौटे ही थे कि सूबे के उत्तरी जिलों के दौरे पर निकल लिए। बताया जा रहा है कि जल्द ही धनकड़ दक्षिण बंगाल के दौरे पर भी जाएंगे।

पायलट के पर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के पर कतरने की तैयारी शुरू कर दी है। जी, हां पायलट से लगातार मिल रही चनौती से आजिज आए गहलोत ने इसका ताना-बाना तैयार कर लिया है। वे अब अपनी सरकार में एक और उप मुख्यमंत्री बनाने की तैयार में हैं। इसके लिए उन्होंने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से चर्चा भी कर ली है। जाहिर है कि एक और उपमुख्यमंत्री बन जाने के बाद पायलट के रुतबे में कमी आ जाएगी। इसके अलावा गहलोत ने एक टीम ऐसी तैयार की है जो हाईकमान से शिकायत कर रही है कि सचिन पायलट प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी का निर्वाह बखूबी नहीं कर पा रहे हैं। मांग की जा रही है कि कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति को सौपी जाए जो सिर्फ संगठन के लिए ही काम करे। वैसे भी गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विश्वासपात्र माने जाते हैं। अब अनुभवी गहलोत की इस घेरेबंदी से पायलट खुद को बाहर निकल पाएंगे। यह तो समय ही बताएगा,लेकिन घरेबंदी पुख्ता है, इसमें संदेह नहीं।

-हरिभूमि ब्यूरो

खबर संक्षेप

मुंबई के डांस बार पर छापा, 14 ग्राहकों सहित 22 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस की मादक निरोधी प्रकोष्ठ ने उनगरीय क्षेत्र मलाड के एक डांस बार पर शनिवार को छापा मारकर 14 ग्राहकों सहित 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मलाड पूर्व के पोद्दार रोड स्थित काका बार एवं रेस्तरां में पुलिस के कथित खबरी अकसर जाते थे, जब शनिवार तड़के बार पर छापेमारी की गई तब 10 लड़कियां नाच रही थी। मादक पदार्थ निरोधी के उपायुक्त शिवदीप लांडे ने कहा कि कथित पुलिस खबरियों के आने की वजह से बार को संदिग्ध तत्वों के लिए सुरक्षित माना जाता था। चूंकि बार को खबरियों के अड्डे के रूप में जाना जाता था इसलिए बार संचालकों का मानना था कि पुलिस के छापे वहां नहीं पड़ेंगे।

ओडिशा में विशाखा एक्सप्रेस के आठ डिब्बे ट्रेन से अलग हुए

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्द जिले के बालूगांव रेलवे स्टेशन पर शनिवार को भुवनेश्वर-सिकंदराबाद विशाखा एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे ट्रेन से अलग हो गए। पूर्वी तटीय रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन ट्रेन में कुछ समय की देरी हुई। उन्होंने कहा कि बालूगांव रेलवे स्टेशन के निकट सुबह लगभग 10 बजकर 21 मिनट पर ट्रेन के एसी-2 टियर और एस-1 डिब्बे अलग हो गए। अधिकारी ने कहा कि डिब्बों को जोड़कर ट्रेन को आगे की यात्रा के लिये रवाना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि घटना दो डिब्बों के बीच जोड़ में खामी के चलते हुई।

रजनीकांत को दिया जाएगा विशेष स्वर्ण जयंती पुरस्कार

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को घोषणा की कि 50वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अभिनेता रजनीकांत को विशेष स्वर्ण जयंती पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह फिल्म महोत्सव गोवा में 20 से 28 नवंबर के बीच आयोजित होगा जिसमें देश विदेश की लगभग 250 फ़िल्में प्रदर्शित की जाएंगी। जावड़ेकर ने इस आयोजन में विख्यात फ्रेंच अभिनेत्री इजाबेल हप्पर्ट को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि महोत्सव के स्वर्ण जयंती वर्ष में सिनेमा के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए पचास महिला फिल्मकारों की पचास फ़िल्में प्रदर्शित की जाएंगी। इस वर्ष रूस इस महोत्सव का भागीदार देश होगा।

नहर में मिला युवक-युवती का शव

जयपुर। घर से लापता युवक-युवती का शव शनिवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले की एक नहर से बरामद हुआ है। पुलिस को पहली नजर में यह मामला प्रेम प्रसंग का लगता है। पुलिस ने शनिवार बताया कि दोनों 30 अक्टूबर से अपने-अपने घरों से लापता थे। दोनों के परिजन ने गुमशुदगी भी दर्ज करायी है। छानबीन के दौरान आज दोनों के शव कंवरसेन लिफ्ट कैनाल से बरामद हुए। मृतकों की पहचान वेदप्रकाश और पूजा के रूप में की गयी है। पुलिस औपचारिक्ताएं पूरी कर मामले की जांच कर रही है।

भाजपा-शिवसेना के बीच थम नहीं रही तकरार

मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं

महाराष्ट्र

भाजपा-शिवसेना के बीच महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप चरम पर पहुंच चुके हैं। दोनों ही पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था बावजूद मुख्यमंत्री के पद को हासिल करने के लिए पिछले कुछ दिन से लगातार भाजपा और शिवसेना के बीच तकरार चल रही है। शिवसेना लगातार कह रही है कि मुख्यमंत्री इस बार भाजपा की बजाय उनका होगा। उधर, भाजपा ने साफ कर दिया है कि सीएम पद शिवसेना को देने का सवाल ही नहीं उठता है। भाजपा ने 5 नवबंर को वानखेड़े स्टेडियम की बुकिंग करवाई हुई है। माना जा रहा है कि मंगलवार को देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शनिवार को शिवसेना ने अपना हमला तेज करते सामना में लिखा है कि वर्तमान में महाराष्ट्र की राजनीति फिलहाल एक मजेदार 'शोभायात्रा' बन गई है और इसका जिम्मेदार कौन है?

शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए आज फिर बीजेपी पर निशाना साधा है और पूछा कि क्या राष्ट्रपति आपकी जेब में हैं?

दरअसल शुक्रवार को बीजेपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा था कि अगर राज्य में सात नवंबर तक नयी सरकार नहीं बनती है तो यहां राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार गठन में मुख्य बाधा शिवसेना की ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद की मांग है। इस पर सामना में लिखा है कि वर्तमान में महाराष्ट्र की राजनीति फिलहाल एक मजेदार 'शोभायात्रा' बन गई है और इसका जिम्मेदार कौन है? इसके आगे शिवसेना ने सुधीर मुनगंटीवार पर तंज कसते हुए कहा कि विदा होती सरकार के बुझे हुए जुगनू रोज नए-नए मजाक करके महाराष्ट्र को कठिनाई में डाल रहे हैं।

संजय राउत के बयान पर बीजेपी नेता का पलटवार, कुछ लोगों को राई का पहाड़ नहीं राई के फोटो का पहाड़ बनाना है तो क्या करें?

बीजेपी मंत्री सुधीर मुनगंटीवार जिन्होंने शुक्रवार को 7 नवंबर तक सरकार नहीं बनने पर राष्ट्रपति शासन लगने की बात कही थी। अगले ही दिन शनिवार को संजय राउत के 'राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी देने वालों को जनता सबक सिखायेगी' बयान पर जवाब देते हुए कहा है कि उन्होंने धमकी नही दी उन्होंने तो सवाल पूछे जाने पर बताया कि अगर 7 नवंबर तक सरकार नहीं बनती है तब राष्ट्रपति शासन लग जायेगा। जनता हमें नहीं राष्ट्रपति शासन तक स्थिति ले जाने वाले को सबक सिखाएगी। मुनगंटीवार ने चन्द्रपुर में मीडिया से बात करते हुए ये जवाब दिया। उन्होंने ये भी कहा कि 5 साल तक हमने संयम से युति की सरकार चलाई, लेकिन अब कुछ लोगों को राई (सरसो) का पहाड़ नहीं राई के फ़ोटो का पहाड़ बनाना है तो क्या करें? बता दें कि संजय राउत ने शनिवार को ही मीडिया से बात करते हुए अपने एक बयान में कहा कि सरकार बनाने में पहले भी देरी हुई है और बीजेपी के एक मंत्री ने देरी का हवाला देते हुए महाराष्ट्र में सरकार नहीं बनने पर राष्ट्रपति शासन की बात कही है। क्या ये धमकी नहीं है। ये तो धमकी ही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में जो हालात हैं उसमें बीजेपी-शिवसेना को छोड़कर सभी पार्टियां एक दूसरे से बात कर रहे हैं।

'राष्ट्रपति शासन' वाले बयान पर शिवसेना का बीजेपी को जवाब- ऐसी धमकियों से फर्क नहीं पड़ता

शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के जरिए आज फिर बीजेपी पर निशाना साधा है और पूछा कि क्या राष्ट्रपति आपकी जेब में हैं? दरअसल शुक्रवार को बीजेपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा था कि अगर राज्य में सात नवंबर तक नई सरकार नहीं बनती है तो यहां राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार गठन में मुख्य बाधा शिवसेना की ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद की मांग है। इस पर सामना में लिखा है कि वर्तमान में महाराष्ट्र की राजनीति फिलहाल एक मजेदार 'शोभायात्रा' बन गई है और इसका जिम्मेदार कौन है? इसके आगे शिवसेना ने सुधीर मुनगंटीवार पर तंज कसते हुए कहा कि विदा होती सरकार के बुझे हुए जुगनू रोज नए-नए मजाक करके महाराष्ट्र को कठिनाई में डाल रहे हैं। आपको बता दें कि शिवसेना अब बीजेपी के साथ सरकार बनाने की संभावनाओं छोड़कर अन्य विकल्प तलाशने लगी है. खबर है कि उद्धव ठाकरे ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार से बात की है और सोमवार को पवार कांग्रेस अध्यक्ष गांधी से मुलाकात करेंगे. इससे पहले शिवसेना संजय राउत भी शरद पवार से मिल सके हैं। सामना में आगे लिखा है कि 7 नवंबर तक राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाएगा, श्री मुनगंटीवार और उनकी पार्टी के अंदर कौन सा जहर उबाल मार रहा है। इससे समझा जा सकता है कि क्या राष्ट्रपति मुट्ठी में हैं या फिर राष्ट्रपति का रबर स्टांप बीजेपी में कार्यालय में हैं। सामना में आगे लिखा है कि जिसने खुद को मुख्यमंत्री घोषित किया है अगर वह सरकार बनाने के लिए दावा पेश नहीं करते हैं तो क्या इसके लिए महाराष्ट्र को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। राष्ट्रपति शासन की धमकी मत दो, कानून, संविधान और संसदीय लोकतंत्र की प्रथा और परंपरा हमें भी पता है। महाराष्ट्र में जो झमेला चल रहा है उसकी चिंगारी हमने नहीं फेंकी। राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी से महाराष्ट्र को फर्क नहीं पड़ता।

ईडी ने चिदंबरम की जमानत याचिका का किया विरोध

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय में आईएनएक्स मीडिया धनशोधन मामले में पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी चिदंबरम की जमानत याचिका का शनिवार को विरोध किया। ईडी ने कहा कि उनके (चिदंबरम) द्वारा कथित तौर पर किये गये अपराधों की गंभीरता उन्हें राहत पाने का हकदार नहीं बनाती। 74 वर्षीय चिदंबरम की जमानत याचिका के जवाब में दायर अपने हलफनामे में ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता की, उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनने संबंधी दलील विधि सम्मत नहीं है।

और उनकी याचिका खारिज किये जाने योग्य है। मामला न्यायमूर्ति सुरेश कैत के समक्ष सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। न्यायमूर्ति कैत ने चिदंबरम की जमानत याचिका पर जांच एजेंसी से जवाब देने को कहा था। चिदंबरम ईडी द्वारा दायर धनशोधन मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद है। उच्चतम न्यायालय ने आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में 22 अक्टूबर को चिदंबरम को जमानत दे दी थी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिंघवी ने कहा

अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा समझता है तो क्या सभी सांसद विदेश दौरे बंद कर दें

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भाजपा की ओर से सवाल उठाए जाने पर शनिवार को पलटवार किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर यह कहते हुए परोक्ष कटाक्ष किया कि अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा एवं सुर्खियों में रहने को महत्वपूर्ण समझता है तो क्या सभी सांसदों को विदेश दौरे बंद कर देने चाहिए ? सिंघवी ने कहा कि भाजपा पहले भी सस्ती राजनीति करती आई है। उसने फिर से किसी की निजी यात्रा के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन कर सस्ती राजनीति का एक और उदाहरण दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं का परोक्ष हवाला देते हुए सवाल किया कि अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा समझता है या विदेश यात्राओं पर सुर्खियों में रहने को महत्वपूर्ण समझता है तो क्या

- भाजपा पहले भी सस्ती राजनीति करती आई है। उसने फिर से किसी की निजी यात्रा के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन कर सस्ती राजनीति का एक और उदाहरण दिया है

इसका मतलब है कि सभी भारतीयों और सांसदों को यात्राएं बन्द कर देनी चाहिए, छुट्टियां नहीं लेनी चाहिए, पारिवारिक और सामाजिक सम्बंध नहीं रखने चाहिए? एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर सांसदों को कोई सहयोग चाहिए तो विदेश यात्रा का विवरण बताना पड़ता है। लेकिन अगर कोई सहायता नहीं चाहिए तो फिर यात्रा का विवरण बताने की जरूरत नहीं होती।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा

आतंकवाद को खत्म करने के लिए दोहरा चरित्र छोड़कर सबको एकसाथ लड़ना होगा

ताशकंद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के लिए तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को उज्बेकिस्तान पहुंचे। उन्होंने शनिवार को समिट को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद गंभीर वैश्विक समस्या है। इसके खात्मे के लिए दोहरा चरित्र और अपवादों को छोड़कर सबको एकसाथ लड़ना होगा। साथ ही सभी अंतरराष्ट्रीय कानून और तंत्र को मजबूत करते हुए सख्ती से लागू करना होगा। राजनाथ का एयरपोर्ट पर उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव ने स्वागत किया था। रक्षा मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को ताशकंद में शास्त्री स्ट्रीट पर श्रद्धांजलि दी। साथ ही राजनाथ शास्त्री मेमोरियल स्कूल पहुंचे और बच्चों से बात की। शास्त्री का निधन 11 जनवरी 1966 में ताशकंद में ही हुआ था।

'एकदूसरे का आर्थिक सहयोग जरूरी'

राजनाथ ने कहा कि यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है कि हम एकदूसरे का आर्थिक सहयोग करें। यही आर्थिक सहयोग हमारे लोगों के भविष्य को मजबूत करने और उनके बेहतर जीवन की नींव है। एकपक्षवाद और संरक्षणवाद से किसी का भला नहीं हुआ। भारत इस मामले में विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत पारदर्शी, खुला, समावेशी और गैर-भेदभावपूर्ण बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है।

2001 में बना था शंघाई सहयोग संगठन

एससीओ एक राजनीतिक और सुरक्षा समूह है। इसका हेडक्वार्टर बीजिंग में है। यह 2001 में बनाया गया था। चीन, रूस, कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान इसके स्थाई सदस्य हैं। यह संगठन खासतौर पर सदस्य देशों के बीच सैन्य और आर्थिक सहयोग के लिए बनाया गया है। इसमें खुफिया जानकारियों को साझा करना और मध्य एशिया में आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाना शामिल है। भारत और पाकिस्तान इस संगठन से 2017 में स्थाई सदस्य के तौर पर जुड़े थे।

पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने कहा

'असली राक्षसों' को पहचाने नारायणसामी

एजेंसी ▶▶ पुडुचेरी

पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने खुद को 'राक्षस' कहे जाने को लेकर मुख्यमंत्री वी नारायणसामी के खिलाफ हमला जारी रखते हुए शनिवार को कहा कि यह गलत पहचान का मामला हो सकता है और उन्होंने मुख्यमंत्री को 'असली राक्षसों' की पहचान के लिए मदद की पेशकश की। अपने व्हाट्सऐप संदेश में उन्होंने नारायणसामी से केंद्र प्रशासित क्षेत्र में जमीन हथियाने वाले और रंगदारी वसूलने वालों के रूप में मौजूद कई 'असली राक्षसों' की पहचान करने को कहा। मई 2016 में पद संभालने के बाद से ही पूर्व आईपीएस अधिकारी का मुख्यमंत्री के साथ टकराव होता रहा है।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बुजुर्गों से होती है धोखाधड़ी

बेदी ने मुख्यमंत्री से उन 'असली राक्षसों' को पहचानने को कहा जो बुजुर्गों को धमकाते हैं और उनकी संपत्ति हथिया लेते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नागरिकों के साथ अक्सर जबरदस्ती की जाती है और कई बार तो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनसे धोखाधड़ी की जाती है। उन्होंने कहा कि इन राक्षसों को गुंडा भी कहा जाता है और अब इन पर पुलिस की नजर है। उन्होंने पुडुचेरी के पुलिस महानिदेशक बालाजी श्रीवास्तव द्वारा ऐसे राक्षसों की हिस्ट्री शीट खोलने के आदेश को रेखांकित किया।

राष्ट्रपति कोविंद दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम पहुंचे...

गंगटोक। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अपनी पत्नी सविता के साथ शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम पहुंचे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआर) की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राज्यपाल गंगा प्रसाद, मुख्यमंत्री प्रेस सिंह तमांग और वरिष्ठ नागरिक तथा सैन्य अधिकारियों ने लीबिंग स्थित सेना के हेलीपैड पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सलामी गारद का निरीक्षण करने के बाद कोविंद राज भवन के लिए रवाना हुए।

'एयर इंडिया' पर सितार तोड़ने का लगाया आरोप

मुम्बई। प्रख्यात भारतीय शास्त्रीय संगीतकार शुभेंद्र राव ने 'एयर इंडिया' पर अपना सितार तोड़ने का आरोप लगाया है। राव ने शुक्रवार को एयरलाइन पर अपने सितार को ठीक तरह से ना रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि कर्मचारियों को वाद्ययंत्रों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। संगीतकार ने फेसबुक पर लिखा कि एक बार फिर वही हुआ। मेरा सितार एक बार फिर टूट गया, इस बार हमारी एअर इंडिया ने यह किया। 'वैदिक हेरिटेज इंक' में प्रस्तुति देने अभी न्यूयॉर्क पहुंचा हूं और मेरा सितार इस स्थिति में यहां पहुंचा है। कोई इतना कठोर और असंवेदनशील कैसे हो सकता है?" उन्होंने कहा sd यकीनन यह थोड़ा सा खुला रह गया था नहीं तो यह टूटता ही नहीं। मुझे पता है कि कई लोग इसका समर्थन करेंगे और कई सुझाव देंगे लेकिन सीधी बात यह है कि एयरलाइन और उनके कर्मचारियों को यह समझने की जरूरत है।

जेडीएस ने कांग्रेस को दिया झटका

कुमारस्वामी बोले- उपचुनाव में किसी से गठबंधन नहीं

कर्नाटक। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (सेक्यूलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने साफ किया है कि उनकी पार्टी आने वाले उपचुनावों में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी और स्वतंत्र चुनाव लड़ेगी। कुमारस्वामी ने कहा कि हम किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। गौरतलब है कि कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए कांग्रेस और जेडीएस ने गठबंधन किया था, लेकिन बाद में कई दिनों तक चले सियासी ड्रामे के बाद यह सरकार गिर गई थी और बीजेपी सरकार बनाने में कामयाब हो गई थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता बीएस येदियुरप्पा का एक कथित वीडियो

वायरल हो रहा है जिसमें वे हुबली में चुनाव के लिए हुई बीजेपी कोर कमेटी की बैठक को संबोधित कर रहे हैं। वीडियो में सुना जा सकता है कि कर्नाटक में 'ऑपरेशन कमल' बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर चलाया गया था, जिसमें बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह भी शामिल थे। इस मुद्दे को लेकर कुमारस्वामी ने येदियुरप्पा को घेरने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। कोई भी वीडियो बना सकता है और लीक कर सकता है। मैं इसमें किसी तरह की जांच की कोई मांग नहीं करता, क्योंकि इसमें कोई क्या ही जांच करेगा?

पहले कहा बीजेपी को दे सकते हैं समर्थन

बता दें उपचुनाव करीब आते ही कर्नाटक में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसके पहले कुमारस्वामी ने बीजेपी को समर्थन देने की बात कह दी थी। 29 अक्टूबर को उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में बीजेपी सरकार गिरने नहीं जा रही। अगर जरूरत पड़ी तो उनकी पार्टी राज्य में बीजेपी सरकार को अपना समर्थन दे सकती है।

दिल्ली के प्रदूषण पर एंजेला मर्केल ने दिया सुझाव

डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलना अच्छा रहेगा

नई दिल्ली। दिल्ली के बढ़ते वायु प्रदूषण पर जर्मनी की चांसलर ने कहा यहां की बदतर परिस्थिति को देखते हुए डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों से बदलना अच्छा विचार होगा। शुक्रवार को दिल्ली की हवा की गुणवत्ता सबसे खराब थी। जिसके कारण अधिकारियों को पांच नवंबर तक स्कूल बंद करने पड़े और सभी तरह के निर्माण कार्यों पर रोक लग गई है। दिल्ली में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी (जन स्वास्थ्य आपातकाल) घोषित की गई है। उन्होंने कहा कि जर्मनी भारत के साथ विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करेगा जिसमें स्वास्थ्य, कृषि औरआर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। मर्केल ने दिल्ली के द्वारका

सेक्टर-21 में इलेक्ट्रिक रिक्शा के संचालकों से भी मुलाकात की।

बस परिवहन के क्षेत्र में सुधार पर खर्च करेंगे 200 मिलियन

नई दिल्ली। जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ने शनिवार को दिल्ली में एक व्यापास बैठक को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने भारत में पर्यावरण अनुकूल शहरी गतिशीलता पर अगले पांच सालों में एक बिलियन यूरो का निवेश करने का वादा किया। मर्केल ऐसे समय पर भारत दौरे पर आईं जब दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बहुत खतरनाक है। उन्होंने डीजल से चलने वाले सार्वजनिक परिवहन को इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। मर्केल ने कहा कि हम जलवायु संरक्षण और हरित शहरी गतिशीलता पर सहयोग करने पर सहमत हुए हैं और इस दिशा में एक बिलियन यूरो खर्च करेंगे। इसके अलावा जर्मनी तमिलनाडु के बस परिवहन क्षेत्र में सुधार के लिए 200 मिलियन यूरो का भी निवेश करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हम तमिलनाडु में बस परिवहन क्षेत्र में सुधार करने के लिए 200 मिलियन यूरो खर्च करेंगे।

ममता बनर्जी का गंभीर आरोप

मेरा फोन टेप कर रही है केंद्र, मेरे पास सबूत

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है. ममता बनर्जी ने कहा है कि केंद्र सरकार की एजेंसियां उनका फोन टेप कर रही हैं, और उनके पास इसका पूरा सबूत है. व्हाट्सएप मामले पर टिप्पणी करते हुए ममता बनर्जी केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर बरसीं और उन्होंने दावा किया कि उनका भी फोन टेप हो रहा है। ममता ने कहा कि उनकी सरकार इस बात को अच्छी तरह से जानती है कि सरकार निजता का उल्लंघन कर रही है। ममता ने कहा कि अब कुछ भी सुरक्षित नहीं है, व्हाट्सएप भी नहीं, पहले हम सोचा करते थे कि व्हाट्सएप से जासूसी नहीं की जा सकती है, लेकिन अब व्हाट्सएप को भी छोड़ा नहीं गया, मैं चाहती हूं कि पीएम नरेंद्र मोदी इस बात की जांच करवाएं।

खबर संक्षेप

बोपन्ना-शापोवालोव पेरिस मास्टर्स से बाहर

पेरिस। भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना अपने कनाडाई जोड़ीदार डेनिस शापोवालोव के साथ यहां पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में कारेन खाचानोव और आंद्रे रूबलोव की रूसी जोड़ी से हारकर बाहर हो गये। बोपन्ना-शापोवालोव की जोड़ी को एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में 80 मिनट तक मशक्कत करने के बाद रूसी जोड़ी से 5-7, 7-6, 8-10 से हार मिली। भारतीय-कनाडाई जोड़ी ने 10 ऐस जमाये लेकिन तीन डबल फाल्ट भी कर बैठे। अब रूसी जोड़ी का सामना सेमीफाइनल में फिलिप पोलासेक और इवान डोडिग की क्रोएशियाई जोड़ी से होगा।

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देंगे क्रैमनिक

चेन्नई। पूर्व विश्व शतरंज चैम्पियन व्लादीमीर बोरिसोविच क्रैमनिक दिसंबर में उभरते हुए भारतीय शतरंज खिलाड़ियों को स्पेन में ट्रेनिंग देंगे। आयोजकों के अनुसार भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने भी युवाओं की मदद के लिये कंपनी के साथ भागीदारी की इच्छा व्यक्त की है। क्रैमनिक इससे पहले भी एक बार जिनीवा में छह युवा भारतीय खिलाड़ियों को कोचिंग शिविर में प्रशिक्षण दे चुके हैं।

वेस्टइंडीज ने भारतीय महिला टीम को एक रन से हराया

नार्थ साउंड। सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया की अर्धशतकीय पारी भी भारतीय महिला टीम के काम नहीं आ सकी क्योंकि इसके बावजूद उन्हें आईसीसी महिला चैम्पियनशिप के पहले वनडे में वेस्टइंडीज से एक रन से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले स्टेफनी टेलर ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और उन्होंने 91 गेंद में 94 रन की कप्तानी पारी खेली जिसमें आठ चौके और दो छक्के लगाये।

क्रिकेट : दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आज पहला टी-20 मैच

'दमघोंटू धुंध' के बीच दमखम दिखाने आज भारत और बांग्लादेश में भिड़ंत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश की टीमें दिल्ली के दमघोंटू माहौल में मैच खेलने को तैयार हैं। भले ही खेल से ज्यादा चर्चा दिल्ली के वातावरण पर हो, लेकिन भारत और बांग्लादेश की टीमों का ध्यान अपने-अपने मैच पर है। नियमित कप्तान विराट कोहली को विश्राम दिए जाने के बाद रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम बांग्लादेश पर अपनी बादशाहत कायम रखने के लिए मैदान पर उतरेगी।

भारत और बांग्लादेश रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में दमखम दिखाकर अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए खुद को परखने के प्रयास की शुरुआत करेंगे। पूर्व के कटु अनुभवों के बावजूद बीसीसीआई की 'रोटेशन नीति' के तहत अरुण जेटली स्टेडियम को मिला यह मैच आयोजित किया जाएगा। भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के क्रिकेटरों को विश्वास है कि वे इस तरह की परिस्थितियों से निबटने में सफल रहेंगे।

ऐसे ही माहौल में हुआ था श्रीलंका से टेस्ट मैच

श्रीलंका के खिलाफ दो साल पहले इसी तरह की परिस्थितियों में यहां टेस्ट मैच खेला गया था और तब श्रीलंकाई ही नहीं भारतीय खिलाड़ियों को भी परेशानी हुई थी। इस बार भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस तरह के 'खतरनाक' हालात में खेलकूद की किसी भी गतिविधि में शामिल होने से स्पष्ट मना किया है।

भारत के पास सीरीज जीतने का अच्छा मौका

भारत ने इन दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए सभी आठ टी20 मैचों में जीत दर्ज की है। ऐसे में अपने स्टार खिलाड़ी शाकिब पर प्रतिबंध लगने के कारण 'पंगु' बने बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने में भारत को ज्यादा दिक्कत नहीं आनी चाहिए। रोहित के साथ शिखर धवन पारी का आगाज करने उतरेंगे।

राहुल उतर सकते हैं तीसरे नंबर पर

कोहली की अनुपस्थिति में केएल राहुल तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं और भारतीय कप्तान की वापसी के बाद वह स्वाभाविक है कि धवन के लिए चुनौती पेश करना चाहेंगे। संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई है और तीसरे नंबर के लिए वह भी अच्छे विकल्प हैं लेकिन उन्हें सीधे मौका मिलेगा इसकी संभावना कम है।

मास्क पहन प्रैक्टिस की खिलाड़ियों ने

रविवार को भारत और बांग्लादेश की टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 3 टी20 मैच की सीरीज का पहला मैच खेलने से पहले नैट प्रैक्टिस की। दोनों टीमें अपने मैच के लिए शुक्रवार को प्रदूषण भरे माहौल में ही प्रैक्टिस करती दिखीं। इस दौरान बांग्लादेशी खिलाड़ी मास्क पहने प्रैक्टिस करते नजर आए।

बांग्लादेश को इनसे उम्मीद

बांग्लादेश के कप्तान महमुदुल्लाह और कोच डोमिंगो को उम्मीद है कि खिलाड़ी इससे निराश होने के बजाय प्रेरणा लेंगे। शाकिब और तमीम इकबाल की अनुपस्थिति में बांग्लादेश की बल्लेबाजी कमजोर हो गई है। ऐसे में महमुदुल्लाह, लिटन दास, मुशफिकुर रहीम और सौम्या सरकार जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण बन जाती है। गेंदबाजी में उसकी निगाह मुस्तफिजुर रहमान पर टिकी रहेगी।

इनके पास खुद को साबित करने का मौका

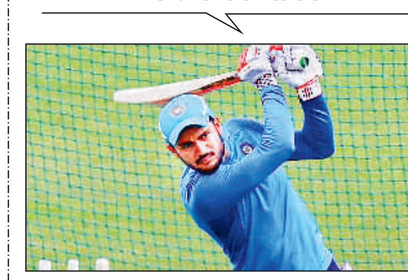

श्रेयस अय्यर और मनीष पांडे के लिए भी यह सीरीज महत्वपूर्ण है। उन्हें दिखाना होगा कि कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय मध्यक्रम कमजोर नहीं है। दोनों को अपनी पिछली सीरीज में खास मौके नहीं मिले थे। मध्यक्रम में हालांकि ऋषभ पंत पर सभी की निगाहें रहेंगी। हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा की अनुपस्थिति में ऑलराउंडर शिवम दुबे के पास खुद को साबित करने का यह बेहतरीन मौका है।

बांग्लादेश को हल्के में नहीं ले रहे : रोहित

***नई दिल्ली।** बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में टीम की कप्तानी करने जा रहे रोहित शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश की टीम बहुत ही मजबूत है। हाल के वर्षों में हमने देखा है कि उन्होंने ना केवल घर में बल्कि घर के बाहर भी किस तरह का प्रदर्शन किया है। खासकर, हमारे खिलाफ। उन्होंने हमेशा से हमें दबाव में रखा है, इसलिए इस टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। वह किसी को भी हराने में सक्षम है।*

बैटिंग-फील्डिंग का फैसला रोहित के हाथ

यह देखना भी दिलचस्प होगा कि रोहित टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हैं या लक्ष्य का पीछा करना पसंद करते हैं। परिस्थितियों को देखकर पहले बल्लेबाजी करना सही हो सकता है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने जिन पिछले छह मैचों में पहले बल्लेबाजी की उनमें से चार में उसे शिकस्त मिली।

गेंद से छेड़छाड़ के कारण शहजाद पर जुर्माना

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद पर कायद-ए-आजम ट्राफी में सिंध के खिलाफ उनकी टीम सेंट्रल पंजाब की गेंद से छेड़छाड़ का दोषी पाये जाने के बाद 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। यह घटना सिंध की पहली पारी के 17वें ओवर के दौरान घटी जब गेंद के सामान्य निरीक्षण के दौरान मैदानी अंपायर मोहम्मद आसिफ और जमीर अहमद ने पाया कि क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के एक सदस्य ने गलत तरीक से गेंद बदल दी है।

रूस को रौंदकर ओलंपिक में पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भाषा ▶▶ भुवनेश्वर

ओलंपिक में आठ बार के चैंपियन भारत ने दो चरण वाले एफआईएच पुरुष क्वालीफायर्स के दूसरे मैच में शनिवार को यहां रूस को 7-1 (दो मैचों का कुल योग 11-3) से हराकर अगले साल तोक्यो में होने वाले खेलों के लिये क्वालीफाई किया। इससे पहले महिला टीम ने अमेरिका को कुल योग में 6-5 से हराकर तोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की थी। विश्व में पांचवें नंबर पर काबिज भारतीय पुरुष टीम ने विश्व में 22वें नंबर के रूस को पहले चरण के मैच में 4-2 से हराया था। शनिवार को भारत की तरफ से आकाशदीप सिंह (23वें और 29वें मिनट) और रूपिंदर पाल सिंह (48वें और 59वें) ने दो-दो जबकि ललित उपाध्याय (17वें), नीलकांत शर्मा (47वें) और अमित रोहिदास (60वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। रूस ने शुरुआती क्षणों में ही बढ़त बना दी थी। उसकी तरफ से यह गोल अलेक्सी सोबोलेवस्की ने किया था जिससे कुल योग में गोल अंतर केवल एक रह गया था। भारतीय टीम धीरे धीरे लय में आयी लेकिन जब उसने खेल पर नियंत्रण बनाया तो फिर रूस को कोई मौका नहीं दिया। रूस ने जवाबी हमले करने की अच्छी कोशिश की लेकिन उसे पहले क्वार्टर के बाद कोई सफलता नहीं मिली। भारत ने दूसरे क्वार्टर में बराबरी की। तब ललित ने हार्दिक सिंह के शाट को डिफलेक्ट करके गोल में डाला था। आकाशदीप ने 23वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल करके भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय टीम ने रूस पर दबाव बनाया और मध्यांतर से एक मिनट पहले आकाशदीप ने अपना दूसरा गोल दाग दिया। मध्यांतर तक भारत के पास कुल योग में 7-3 की मजबूत बढ़त थी। मध्यांतर के बाद पांचवें मिनट में रूसी टीम ने बहुत अच्छा मूव बनाया लेकिन अलेक्सांद्र स्कीपेरस्की करीबी अंतर से गोल करने से चूक गये।

महिला हॉकी टीम को भी ओलंपिक कोटा

रानी के गोल से अमेरिका को कुल योग में 6-5 से हराया

भुवनेश्वर। कप्तान रानी रामपाल के 48वें मिनट में किए गए गोल से भारतीय महिला हाकी टीम ने अमेरिका के खिलाफ एफआईएच क्वालीफायर्स के दूसरे चरण के मैच में 1-4 से हारने के बावजूद कुल योग में 6-5 से जीत दर्ज करके तोक्यो में होने वाले ओलंपिक खेलों में जगह पक्की की। भारतीय टीम ने शुक्रवार को अमेरिका को 5-1 से करारी शिकस्त दी थी, लेकिन शनिवार को उसने लचर खेल दिखाया। अमेरिका ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त लेकर कुल स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया था। ऐसे में कप्तान रानी रामपाल ने 48वें मिनट में गोल दागा जो कि महत्वपूर्ण साबित हुआ। भारत ने आखिरी क्षणों तक अपनी कुल बढ़त को बरकरार रखा। भारतीय महिला टीम ने 1980 में मास्को ओलंपिक में भाग लिया था और इसके 36 साल बाद रियो ओलंपिक खेलों में जगह बनायी थी। इस तरह से वह लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने में सफल रही।

जीत का जश्न...

योकोहामा। शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योकोहामा स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान सिया कोली ने रग्बी विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर वेब एलिस कप में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

INDIA'S No. 1
तंत्र-मंत्र के सम्राट, गोल्ड मेडलिस्ट
खुदा ने चाहा तो आपका प्यार टूटने नहीं दूँगा
11मिनटो में फोन पर घर बैठे
कठिन समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान
जैसे: वशीकरण, लवमैरिज, पति-पत्नी मे अनबन गृहक्लेश, सौतन-दुश्मन, लॉटरी-सटटा फिल्म मॉडलिंग गढ़ाधन, कर्ज,कारोबार मे बंदिश, विदेश-यात्रा आदि।
प्यार में धोखा खाये प्रेमी प्रेमिका वशीकरण एवं लव मैरिज कराने हेतु एक बार अवश्य फोन करें।
स्पेशलिस्ट वशीकरण व मुठकरनी Reg No. 5568
बाबा शकवात बंगाली
काम ना होने पर पैसे वापस
09870155846

ढोंगी बाबाओं के भेष में बैठे हैं शैतान तो कैसे होंगे काम
11 मिनटों में शक्ति चमत्कार देखें घर बैठे फोन पर पायें सभी समस्याओं का समाधान
अघोरी तांत्रिक बाबा रोमानी बंगाली (पुराने किलेवाले)
स्पेशलिस्ट वशीकरण, मुठकरनी
प्रेम विवाह, सौतन, दुश्मन से छुटकारा, पति, पत्नी में अनबन, नौकरी, कारोबार, विदेश यात्रा में बाधा, मुकदमा, प्यार में धोखा आदि। मुझसे पहले काम करने वाले को मुंहमांगा ईनाम।
97 60 37 09 60

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ज्योतिष

भारत के नं. 1 पहले जानो फिर मानो
तांत्रिक शक्तियों के सम्राट
मियाँ खान बंगाली
घर बैठे तुरंत समाधान 11 मिनटों में वशीकरण, मुठकरनी स्पेशलिस्ट
लवमैरिज, तलाक, गृहक्लेश मनचाही शादी, संतान प्राप्ती विदेश यात्रा, सास बहु में अनबन
जब कहीं ना हो काम तो हमसे लें समाधान
सौतन व दुश्मन छुटकारा कारोबार, गड़ा धन
मेरे किए को काटे उसे मुँह मांगा ईनाम
प्रेम विवाह, घरवालों को मनाना दुःख, बीमारी दवा ना लगना
8755856653

17 सालो से एक स्थान पर
बाबा बली शाह
5 घंटो में 100% गारंटिड समाधान जैसे मनचाही शादी, मनचाहा प्यार, रूठे को मनाना, कारोबार, पति-पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा खायें मिलें, सौतन/दुश्मन छुटकारा, जादू-टोना
स्पे. वशीकरण, मुठकरणी आदि
9917598041
Fees ₹200/-
पता : राजौरी गार्डन मेट्रो स्टेशन, दिल्ली

ज्योतिष

मेरे किये हुये काम को काटे उसे मुँह मांगा ईनाम
17 सालो से एक स्थान पर
खुला चैलेंज
गुरू पाशा जी बंगाली
3 घंटे में 101% गारंटिड समाधान जैसे मनचाहा प्यार, मनचाही शादी में रूकावट, रूठे को मनाना, प्यार में धोखा खाये मिले, कारोबार में बंदिश, पति-पत्नी में अनबन, बिमारी में दवा ना लगना, सास-बहू में झगड़ा, जादू-टोना, चौकी छोड़ने के माहिर
स्पे. महामुठकरणी व वशीकरण सौतन व दुश्मन छुटकारा
8929377723
www.gurupashaji.com Fees ₹200/-
पता : रमेश नगर मेट्रो स्टेशन, दिल्ली

मेरा किया जो काटे उसे मुंहमांगा ईनाम
तंत्र मंत्र सम्राट भारत के नं० 1
पंडित अर्जुन शर्मा
शक्ति चमत्कार देखें 21 मिनटों में घर बैठे समाधान
स्पेशलिस्ट महावशीकरण मुठकरनी
मनचाहा प्यार, सौतन, दुश्मन से छुटकारा, पति, पत्नी में अनबन, नौकरी, कारोबार, विदेश यात्रा में बाधा, मुकदमा, गड़ा धन, प्यार में धोखा आदि। हर जगह से निराश हो चुके हों तो एक फोन आपकी जिंदगी बदल देगा।
9012661598
8191087356

ज्योतिष

हमसे पहले काम करने वालों को मुंहमांगा ईनाम
खुला चैलेंज तंत्र मंत्र सम्राट
घर बैठे 2 घंटे में समाधान
गुरू मिर्जा खान बंगाली
स्पेशलिस्ट वशीकरण मुठकरनी
प्रेमविवाह, सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति, पत्नी में अनबन, प्यार में धोखा रूठे को मनाना, कारोबार, तलाक में बाधा, संतान या विदेश यात्रा में रूकावट सभी जगह से निराश फोन करें
9818053315
9871929265

लोन

☞ JANDHAN FINANCE नोफाईलचार्ज नोगारंटर 1974 से आपकी सेवा में सभी बैंकों द्वारा मार्कशीट, आधार कार्ड, बिजनेस लोन घरबैठे 24 घंटों में पायें 1% ब्याज, 50% छूट एजेंट चाहिए 94520-91025

लोन

☞ दिवाली धमाका ऑफर महिन्द्रा फाइनेंस द्वारा आधारकार्ड मार्कशीट प्रोप्टी पर्सनल बिजनेस समस्त लोन घर बैठे पाऐं फाइल चार्ज लोन से कटेगा महिलाओं के लिए विशेष छूट 2% ब्याज छूट 50% Mb. 88084-14358

लोन

☞ पैसा लेते नहीं धोखा देते नहीं, JEEVAN BHARTI FINANCE जनधन योजना के अन्तर्गत होम, पर्सनल, मार्कशीट, महिला ग्रुप लोन व सभी प्रकार के लोन ब्याज 1% छूट 40%, एजेंट आमंत्रित 89018-50815

चिकित्सा

बढ़ाइये अपनी सुंदरता का साइज
अविकसित व छोटे ब्रेस्ट को टाइट सुडोल,आकर्षक व खूबसूरत बनायें। घर बैठे दवा मंगायें।
15 दिनों में फर्क देखें फोन करें फ्री सलाह लें 1250/- महीना
दीपक आयुर्वेदा
रमणीक कॉमप्लैक्स,दुकान न. 22, तिकोना पार्क, NIT फरीदाबाद
0129-4310055
0129-4310066

शराब छुडवायें हमेशा के लिए
बिना लाये बिना बताये वो भी सिर्फ 7 दिन में
शराब, स्मैक, अफीम, चरस, गांजा आदि
दुर्गा आयुर्वेदा
9717530680
9917617243

टावर

☞ भारतीय टॉवर द्वारा जमीन, खेत, छत पर 4G टॉवर लगवायें एडवांस 90 लाख, मासिक किराया 45000/- + 1 नौकरी + सैलरी 24000/- एग्रीमेंट सहित (खर्चा साईट पास होने के बाद), काम हमारा विश्वास जीतना 80044-04132

☞ BHARTI INFRATEL TOWR द्वारा जमीन, खेत, छत पर सभी कम्पनी के 4G, 5G टॉवर लगवाएं एडवांस 85 लाख, मासिक किराया, 45000/-, 1 नौकरी + सैलरी 24000/-, एग्रीमेंट सहित (सम्पर्क करें) 99455-44914, 99036-30319

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby giver to the general public that Shri.Gajesh Girdhar S/o. Late Sh. Gianjit Girdhar and Smt.Taruna Girdhar W/o. Sh. Gajesh Girdhar both residing at 28/12, Gandhi Colony, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh have disowned their son Sh. Rajiv Girdhar and his wife from their movable and immovable properties.Shri Rajiv Girdhar and his wife are living seperately after their marriage and are not associated with us directly or indirectly in any way. Anybody transacting any business of any kind with them is doing so at his or her own risk. We are not responsible for their action.

Gajesh Girdhar and Taruna Girdhar
through
Pawan Kumar Tyagi - Advocate
Ch.No.346, Distt. Courts, Surajpur, Noida UP.

स्टॉक मार्केट से तगड़े रिटर्न के लिए 10 गलतियों से बचें

शंभू भद्रा ▶▶| रोहतक

भारतीय शेयर बाजार से कमाई करना जितना आसान है, उतना ही कठिन भी है। घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सेंटिमेंट के आधार पर उतार-चढ़ाव से भरपूर स्टॉक मार्केट में कब कौन शेयर तारेगा व कब कौन डुबोएगा, पता नहीं। लेकिन यदि निवेशक बाजार की बारीकियों को समझते हुए सामान्य गलतियों से बचेंगे तो वे अपने शेयर से मुनाफा काट सकते हैं। स्टॉक मार्केट में निवेश के दौरान अक्सर होने वाली गलतियों से बचकर अपने पोर्टफोलियों को मजबूत बनाया जा सकता है और फिर रिटर्न की कामयाबी हासिल की जा सकती है।

शेयर खरीदने पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

किसी भी कंपनी के स्टॉक में निवेश से पहले कंपनी के बारे में अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। जिसके बारे में जानकारी न हो, उस कंपनी का स्टॉक कभी नहीं खरीदना चाहिए। मार्केट की रिसर्च शेयर खरीदने से पहले करें ना कि बाद में।

सस्ते शेयर लॉटरी समझकर नहीं खरीदें

जब हम स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट की तरफ कदम बढ़ाते हैं तो हमें तमाम ऐसी कंपनियां मिल जाएंगी जिनका स्टॉक काफी सस्ता होता है। हमें लगता है कि ये स्टॉक तो काफी सस्ता है, इसलिए बड़ी संख्या में उसे खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पछताना पड़ता है। पेनी स्टॉक में मानकर चलें कि पूरा पैसा डूब भी सकता है। लॉटरी या खराब शेयर में 1000 लोगों में 1-2 की किस्मत खुलती है। पेनी स्टॉक खरीदने का फैसला जल्दीबाजी में न करें। पेनी स्टॉक्स उन स्टॉक को कहते हैं, जिनका दाम काफी कम होता है। पेनी स्टॉक कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी काफी कम होता है। आमतौर पर पेनी शेयर का मूल्य 1 रुपये से लेकर 25 रुपये तक हो सकता है। इसलिए सस्ते शेयर को लॉटरी समझ कर न खरीदें।

डायवर्सिफिकेशन में डर हो तो इंडेक्स चुनें

अपना पैसा एक ही स्टॉक में निवेश कभी न करें। आपके पोर्टफोलियो में वैरायटी होनी चाहिए। अगर आप 100 रुपये निवेश करना चाहते हैं तो कुछ पैसा स्टॉक मार्केट में लगाएं, कुछ प्रॉपर्टी में, कुछ गोल्ड में तो कुछ पैसा डेट फंड में लगाएं। अगर डायवर्सिफिकेशन से डर लगे तो इंडेक्स या एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में पैसे लगाएं। ईटीएफ में शेयरों का समूह होता है, जिसे बाजार में खरीदा और बेचा जाता है।

शेयर मंत्रा

बहुत ज्यादा डायवर्सिफिकेशन न करें

शेयर और बच्चे उतने ही होने चाहिए जितने आप संभाल सकें। बहुत ज्यादा शेयर खरीदने से ताबड़तोड़ कमाई नहीं होगी। इसलिए अपनी लिमिट के हिसाब से ही पैसा स्टॉक मार्केट में लगाना चाहिए।

रिस्क क्षमता से ज्यादा पैसे न लगाएं

ध्यान रखें कि जितना पचा सकें उतना ही खाएं। यही बात स्टॉक मार्केट पर भी लागू होती है। स्टॉक मार्केट रिस्क पर चलता है। इसलिए उतना ही रिस्क लें जितना आप सहन कर सकते हैं। गलती जरूर करें लेकिन उतनी बड़ी नहीं कि दोबारा गलती करने लायक ना रहें।

उधार के पैसे स्टॉक में ना लगाएं

कभी भी उधार लेकर बाजार में पैसा न लगाएं, क्योंकि उधार लेने वाले के मुकाबले उधार देने वाला ज्यादा समझदार होता है। महीने का 2 फीसदी ब्याज देकर दिन में 5 फीसदी बनाना ख्वाब ही है। इसलिए ऐसी गलती कभी न करें।

गिरते शेयर को एवरेज न करते रहें

एवरेजिंग के बजाए गिरता हुआ चाकू पकड़ेंगे तो नुकसान कम होगा। गुजराती कहावत है कि घटाडे-घटाडे बेचवानुं, वधारे-वधारे लेवानुं। गिरते शेयर की एवरेजिंग करते रहने से बचें।

शेयर बच्चे नहीं, सफाई करते रहें

शेयरों के साथ लिव-इन रिलेशन में रहें, शादी ना करें, क्योंकि शेयर हैं, आपके बच्चे नहीं है जिन्हें आप जिंदगी भर पालेंगे। मुनाफा के लिए उसे समय के हिसाब से बेचते रहें। इसलिए हर साल अपने पोर्टफोलियो की भी सफाई करते रहें।

छोटी अवधि के उतार-चढ़ाव से टेंशन में न आएं

आपकी हार्ट बीट और सेंसेक्स का ग्राफ सपाट नहीं होगा चाहिए। उतार-चढ़ाव को दोस्त बनाइए, दुश्मन नहीं। भारी उतार-चढ़ाव का मतलब डरपोक और बेसब्र ट्रेडर्स को नुकसान पहुंचना है, लेकिन शांत और समझदार इन्वेस्टर को हमेशा फायदा होता है।

जल्दी और ज्यादा पैसे बनाने की सोच ना रखें

पौधे, बच्चे और शेयर तीनों को बढ़ने में वक्त लगता है। जल्दी का काम शैतान का होता है। इसलिए मार्केट में पैसा लगा रहे हैं तो उसे आगे बढ़ने के लिए थोड़ा समय जरूर दें। मन में धीरज और बाजार पर ध्यान देने से ही धन बनता है। इसलिए बाजार में 3 'ध' से ही पैसा बनता है।

डिस्कलेमर : यह आलेख जानकारी के लिए है। शेयर बाजार में निवेश जोखिम के अधीन है। सोच-समझकर निवेश करें।

बैंक ट्रांजेक्शन में फ्रॉड से बचने को रखें चार बातों का ध्यान

बिजनेस डेस्क ▶▶| रोहतक

आज बैंकिंग टेक्नोलॉजी ने पैसों के लेनदेन को बेहद आसान कर दिया है। यह काम महज तीन-चार बटन क्लिक कर पूरा हो जाता है। हालांकि, जरूरी है कि इस तरह की सुविधाओं का इस्तेमाल बड़ी सूझबूझ और सतर्कता के साथ किया जाए। इससे आप किसी तरह के फ्रॉड की आशंका से बच जाते हैं। बैंक ट्रांजेक्शन के दौरान किसी फ्रॉड इनसे बचने के लिए यहां हम आपको कुछ टिप्स के बारे में बता रहे हैं।

1. सुरक्षित नेटवर्क से करें बैंकिंग

आपको नेट बैंकिंग पासवर्ड याद कर लेना चाहिए। इसे किसी को भी न बताएं। न ही इसे कहीं लिखकर रखें। नेट बैंकिंग का इस्तेमाल हमेशा अपने कंप्यूटर पर सिक्योर नेटवर्क से करना चाहिए। पब्लिक कंप्यूटर या असुरक्षित नेटवर्क से इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करना समझदारी नहीं है। कंप्यूटर कीबोर्ड की जगह डिजिटल कीबोर्ड का उपयोग करना बेहतर है। इस्तेमाल करने के बाद वेबसाइट से लॉग-आउट करना नहीं भूलें।

2. साइन किए चेक न रखें

चेकबुक को हमेशा सुरक्षित जगह रखना चाहिए। चेकबुक में साइन किए हुए चेक नहीं रखें। न ही किसी को बिना ब्योरा भरे साइन किया हुआ चेक दें। रिकॉर्डिंग स्लिप पर जारी किए गए चेक का ब्योरा दर्ज करें।

3. क्रेडिट/डेबिट कार्ड लेनदेन जांचते रहें

क्रेडिट और डेबिट कार्ड के लेनदेन पर नजर बनाए रखना महत्वपूर्ण है। एसएमएम या ईमेल एलर्ट को सेट करने से किसी ट्रांजेक्शन पर नोटिफिकेशन मिलता है। इससे लेनदेन को ट्रैक करने में मदद मिलती है।

जानकारी

4. फ्रॉड की रिपोर्टिंग करें

अगर किसी को फ्रॉड का संदेह होता है तो उसे हफ्ते भर के भीतर इसके बारे में बैंक/कार्ड जारी करने वाले को बताना चाहिए। कार्ड ब्लॉक करने के बाद इसके बारे में बैंक में औपचारिक रूप से लिखित शिकायत करनी चाहिए। पुलिस में भी शिकायत कर देनी चाहिए। इस शकायत को फिर साइबर क्राइम सेल में भेजा जा सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

इंटरनेट इस्तेमाल करने के दौरान ब्राउजर में अगर पासवर्ड सेव करने का मैसेज दिखता है तो वह विकल्प बिल्कुल न अपनाएं। नेट बैंकिंग का इस्तेमाल करते वक्त संदेहास्पद वेबसाइट और एप से बचें।

जानकारी

एनपीएस में वन-वे स्विच क्या है कब पड़ती है इसकी जरूरत

एनपीएस के टियर II अकाउंट से पैसे को एनपीएस के टियर I अकाउंट में स्विच करना मुमकिन है। इस वन-वे स्विच को एनपीएस के टियर I अकाउंट में कंट्रीब्यूशन माना जाता है। अगर कोई एनपीएस सब्सक्राइबर किसी एक साल में टियर I के मिनिमम कॉन्ट्रिब्यूशन की जरूरत को पूरा नहीं कर पाता है तो वह इसके लिए वन-वे स्विच का इस्तेमाल कर सकता है। केवल ऐसे एनपीएस सब्सक्राइबर जो ऑल सिटीजंस ऑफ इंडिया या कॉरपोरेट सेक्टर कैटेगरी में आते हैं, वही वन-वे स्विच सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। फॉर्म यूओएस एस 13 को वन-वे स्विच के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यह फॉर्म पीओपी-एसपी से हासिल किया जा सकता है या फिर इसे एनपीएससीआरए वेबसाइट से इस लिंक के जरिए डाउनलोड किया जा सकता है: https:npscra.nsdl.co.in। सब्सक्राइबर का पीआरएएन नंबर, सब्सक्राइबर का नाम, स्विच की जाने वाली रकम को फॉर्म में दर्ज करना होगा। फॉर्म पर एनपीएस सब्सक्राइबर के दस्तखत होने चाहिए। पूरी तरह से भरे हुए फॉर्म को उस पीओपी-एसपी के यहां जमा कराया जाना चाहिए, जहां से सब्सक्राइबर फिलहाल टियर II अकाउंट के लिए जुड़ा होता है। फॉर्म जमा होने पर पीओपी-एसपी से अकनॉलेजमेंट रिसीट मिलती है। रिसीट नंबर को संभालकर रखना चाहिए क्योंकि यह भविष्य में काम आ सकता है। स्विच रिक्वेस्ट के लागू होने के बाद टियर I में निवेश की गई रकम में अंतर हो सकता है। यह अनुरोध की गई रकम से दो अलग-अलग दिनों में एनएवी के अंतर की मात्रा तक हो सकता है। (*) वाली सभी फील्डों को भरना जरूरी है।

क्या आप बैंक गारंटी का मतलब जानते हैं

बैंकिंग में तमाम तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल होता है। इन्हें जानने और समझने से आपको काफी आसानी होती है। इससे आप किसी तरह की गफलत से बच जाते हैं। हम यहां आपको बैंक गारंटी के बारे में बताने जा रहे हैं। बैंक गारंटी बैंक का वादा है कि वह कॉन्ट्रैक्ट के दायित्वों के पूरा नहीं होने पर देनदार की देनदारियों को पूरा करेगा। कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के अनुसार, विक्रेता की ओर से खरीदार को सेवा या वस्तु नहीं दिए जाने पर परफॉर्मेंस गारंटी की भूमिका आती है। बिड बॉन्ड गारंटी सुनिश्चित करती है कि प्रोजेक्ट को पाने वाला विजेता बोलीदाता अनुबंध के अनुसार इसे स्वीकार और पूरा करेगा। यह नहीं होने पर प्रोजेक्ट का स्वामी गारंटी की रकम जब्त कर सकता है। कई बार एक कंपनी दूसरी कंपनी के वित्तीय दायित्व को अपने ऊपर ले लेती है। ऐसे में अगर दूसरी कंपनी अपने वित्तीय दायित्व पूरा करने में विफल हो जाती है तो पहली कंपनी उसे पूरा करती है। इसके लिए फाइनेंशियल गारंटी ली जाती है। बैंक गारंटी को बैंक 'गारंटी फीस' के बदले में देते हैं। सुरक्षा के तौर पर वह किसी चीज को गिरवी रख लेते हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर सेंसेक्स, फंड निवेशक क्या करें

बिजनेस डेस्क ▶▶| रोहतक

बीएसई सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। जून में इसने 40,312 अंक का स्तर लांघा था। गत गुरुवार को इंट्रा-डे ट्रेडिंग के दौरान इसने 40,344.99 अंक का स्तर छुआ। एनएसई निफ्टी भी एक समय 11,915.95 अंक के स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में देश की टॉप 30 कंपनियों के शेयर शामिल हैं। मुमकिन है कि म्यूचुअल फंड निवेशकों के निवेश पर इसका सीधा असर नहीं हो। हालांकि, बेंचमार्क इंडेक्स का अपने शिखर को छूना ज्यादातर निवेशकों के लिए मनोवैज्ञानिक महत्व रखता है। कुछ म्यूचुअल फंड निवेशक इससे घबरा जाते हैं तो कई रोमांचित हो उठते हैं। सवाल है कि ऐसी स्थिति में क्या रणनीति होनी चाहिए?

बाजार के लिए आउटलुक पॉजिटिव है। बाजार इकनॉमिक रिकवरी का मुख्य संकेतक है। हाल में हमने कम अर्निंग का दौर देखा है। अब लगता है कि अर्निंग में सुधार होगा। म्यूचुअल फंड मैनेजर और एडवाइजर हमेशा यह बात दोहराते हैं कि निवेशकों को बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव के साथ बह नहीं जाना चाहिए। उनका मानना होता है कि निवेशकों में केवल इसलिए घबराहट या रोमांच नहीं होना चाहिए क्योंकि बाजार अपने उच्च स्तर पर है। सूचकांकों पर गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत लागू नहीं होता है। कहने का मतलब यह है कि जरूरी नहीं कि शिखर को छूने के बाद उनका गिरना जरूरी है। इसी तरह यह भी आवश्यक नहीं कि वे हर दिन या हर हफ्ते अपने रिकॉर्ड स्तर को छुएं। बाजार के चढ़ने पर ज्यादातर म्यूचुअल फंड निवेशक अच्छा महसूस करते हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ महीनों में इक्विटी म्यूचुअल फंड निगेटिव जोन से बाहर आए हैं। इनमें से कई डबल डिजिट एनुअल रिटर्न दे रहे हैं। इसलिए यह इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अच्छा समय है। बाजार में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। निवेशकों को अभी कुछ करने की जरूरत नहीं है। पोर्टफोलियो के रिटर्न पर शायद सेंसेक्स की चाल का असर नहीं पड़े। एसेट एलोकेशन जब तक नहीं बदले अपने पोर्टफोलियो में कोई बदलाव नहीं करें। इस तरह के अस्थिर बाजार में कोई फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

फंड्स का फंडा

सूचकांकों पर गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत लागू नहीं होता है। कहने का मतलब यह है कि जरूरी नहीं कि शिखर को छूने के बाद उनका गिरना जरूरी है। इसी तरह यह भी आवश्यक नहीं कि वे हर दिन या हर हफ्ते अपने रिकॉर्ड स्तर को छुएं।

न करें टैक्स की अनदेखी

फाइनेंशियल प्लानिंग की बात करें तो हर किसी को मोटा-मोटा कैलकुलेशन करना पसंद होता है। उदाहरण के लिए मान लेते हैं कि कोई फॉरेन हॉलीडे के लिए बजट बनाता है। इस लक्ष्य को पाने के लिए उसके पास तीन साल हैं। हर महीने कितना निवेश करना है, इसका कैलकुलेशन करने के लिए वह कुल रकम से 36 महीनों को भाग देता है। यहां तक कि जब रिटायरमेंट जैसे अहम लक्ष्य की बात आती है तो भी रणनीति यही रहती है। आवश्यक निवेश का कैलकुलेशन एक्सेल शीट में पीएमटी फॉर्मूले से किया जाता है। हालांकि, इस तरह के कैलकुलेशन में एक अहम बात 'मिस' कर जाती है। वह है म्यूचुअल फंडों से मिलने वाले रिटर्न पर टैक्स का कैलकुलेशन। वे दिन चले गए हैं जब इक्विटी म्यूचुअल फंड पर लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस पर टैक्स से छूट थी। अब अगर आप एक साल के बाद अपने इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचते हैं, तो आपको एक वित्त वर्ष में 1 लाख रुपये से अधिक के रिटर्न पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स देना होगा। वहीं, आप एक साल से पहले अपने इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचते हैं, तो गेंस को शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेंस के रूप में माना जाता है। इस पर 15 फीसदी टैक्स लगता है। इसी तरह डेट म्यूचुअल फंड से मिलने वाले रिटर्न भी टैक्स के दायरे में आते हैं। इन फंडों का इस्तेमाल छोटी अवधि के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है। यदि आप तीन साल से पहले अपने डेट म्यूचुअल फंड बेचते हैं, तो गेंस आपकी इनकम में जुड़ जाते हैं। फिर आपके लिए लागू इनकम स्लैब के अनुसार टैक्स लगता है। इसका मतलब है कि अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में हैं, तो आप अपने डेट म्यूचुअल फंड निवेश से होने वाले शॉर्ट टर्म कैपिटल गेंस पर 30 फीसदी टैक्स का भुगतान करेंगे। दूसरी ओर अगर आप तीन वर्षों के बाद अपने डेट म्यूचुअल फंड निवेश बेचते हैं, तो आपके रिटर्न को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस के तौर पर देखा जाता है। इस तरह के लाभ पर इंडेक्सेशन बेनिफिट के साथ 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। इंडेक्सेशन बेनिफिट से खरीद की लागत को बढ़ाने में मदद मिलती है। यह महंगाई के परिदृश्य में टैक्स में काफी कमी लाता है। अब सवाल यह है कि आपको अपने कैलकुलेशन में इन टैक्स को क्यों शामिल करना चाहिए? जवाब आसान है। इसकी वजह है कि ये टैक्स लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फंड का एक हिस्सा निकाल लेते हैं। यानी अपेक्षित कॉरपस में कमी आ जाती है। उदाहरण के लिए, अगले साल फॉरेन हॉलीडे के लिए आपके डेट म्यूचुअल फंड पर शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेंस टैक्स की वजह से आपकी कॉरपस को नुकसान होगा। जब आप अपने डेट म्यूचुअल फंड बेचेंगे तो आपके रिटर्न पर 30 फीसदी टैक्स लगेगा। यदि आप टैक्स का हिसाब नहीं रखेंगे, तो आप कुल कॉरपस में कमी का सामना कर सकते हैं। लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंडों में 10 फीसदी टैक्स तो और अहम है। चूंकि आप अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश करते हैं। इसलिए रिटर्न काफी ज्यादा होते हैं। इस तरह टैक्स में जाने वाली रकम का आकार भी बड़ा होगा।

यही वजह है कि निकासी का प्लान इस तरह बनाया जाए कि साल में एक लाख रुपये की एक्जेम्प्शन लिमिट का भरपूर उपयोग हो सके। याद रखें कि किसी एक वित्त वर्ष में एक लाख रुपये से ज्यादा के लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस पर 10 फीसदी की दर से टैक्स लगता है।

जब सभी म्यूचुअल फंडों का प्रदर्शन खराब हो तो निवेशक क्या करें

जब पोर्टफोलियो के सभी म्यूचुअल फंड्स खराब प्रदर्शन करे तो इसके आंकलन में समय बहुत मायने रखता है। यदि आप चार महीने या छह महीने में अपनं फंड का आकलन करेंगे तो निराशा ही मिलेगी। फंड अगर 3 से 7 साल के लिए है तो अवधि का इंतजार करें। अच्छी म्यूचुअल फंड स्कीमों का चुनाव भी जरूरी है। इक्विटी म्यूचुअल फंडों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए चार महीने या छह महीने की अवधि बहुत छोटी है। इक्विटी में निवेश करते हुए छोटी अवधि में अस्थिरता का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसमें जोखिम को पूरी तरह से हटाया नहीं जा सकता है। निवेश को लंबी अवधि में बनाए रखकर अस्थिरता को कम जरूर कर सकते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की खरीद की लागत को औसत पर ला देता है। अगर कोई सात साल के निवेश नजरिये के साथ पैसा लगा रहा है तो वह इक्विटी म्यूचुअल फंडों का विकल्प देख सकता है। इक्विटी स्कीमों में 12 से 15 फीसदी सालाना रिटर्न देने की क्षमता होती है। इसलिए निवेशक को निवेश अवधि तक के लिए अपने निवेश को बनाए रखना चाहिए। उन्हें छोटी अवधि में अस्थिरता से घबराना नहीं चाहिए। स्कीमों पर नजर रखनी चाहिए। हर साल अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करते रहना चाहिए।

कमाई से ज्यादा खर्च करने वाले हो सकते हैं मनी डिसॉर्डर के शिकार

वित्तीय मनोविज्ञान

बिजनेस डेस्क ▶▶| रोहतक

आजकल पैसा तो हर कोई कमाता है, लेकिन कोई उसे अच्छे से मैनेज कर लेता है और कोई नहीं कर पाता। पैसे को मैनेज न कर पाने के चलते लोगों के फाइनेंशियल गोल कभी पूरे नहीं हो पाते। हाथ में पैसा आता है, लेकिन यूं ही खर्च हो जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो आप 'मनी डिसॉर्डर' के शिकार हो सकते हैं। यानी आपके अंदर पैसे को ठीक से संभाल न पाने की कमी है। फाइनेंशियल साइकोलॉजिस्ट ब्रक्ड क्लोंट्ज ने अपनी किताब माइंड ओवर मनी में मनी डिसॉर्डर के लक्षणों के बारे में बताया है। आइए जानते हैं यह क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है।

1.फाइनेंशियल डिनायल (आर्थिक विराग)

लक्षणः आप बहुत जरूरी चीजों में या क्रेडिट कार्ड का बिल भरने में पैसा खर्च नहीं करते। कहीं इन्वेस्ट नहीं करते और अपने बैंक में पैसे को बेकार पड़ा रहने देते हैं। टैक्स रिटर्न भरने तारीख आगे बढ़ाते रहते हैं और अपना पोर्टफोलियो मैनेज नहीं करते। अपने पैसे का सही इस्तेमाल न करना आर्थिक चिंता की निशानी हो सकता है।

इलाजः अपनी सभी आर्थिक गतिविधियों के लिए तारीख तय करें और अपने फोन में रिमाइंडर सेट करें। अगर आप निवेश को लेकर चिंतित महसूस करें तो किसी साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं।

2. फाइनेंशियल रिजेक्शन (अस्वीकृति)

लक्षणः आप जानबूझकर अपना सारा पैसा कहीं भी किसी को भी दे देते हैं। आप भले ही अच्छी कमाई करते हों, लेकिन महीने के अंत तक आपके पास ज्यादा पैसा नहीं बचता है, जिससे आपके आर्थि लक्ष्य पूरे नहीं हो पा रहे हैं। आपमें आत्मसम्मान बहुत कम है और पैसा इकठ्ठा करने से आप ग्लानि महसूस करते हैं।

इलाजः अपनी सैलरी अपने पति या पत्नी के हाथ में दें, जो उसे ठीक से इन्वेस्ट कर सके। या फिर अपने सारे पेमेंट्स को ऑटोमैटिक मोड पर रखें, जिससे अकाउंट में सैलरी आते ही वह सही जगह इन्वेस्ट हो जाए।

3. अंडरस्पेंडिंग (कम खर्च करना)

लक्षण : आप पैसा खर्च करना इतना फिजूल समझते हैं, कि पैसा होते हुए भी बेहद खराब तरीके से जिंदगी जी रहे हैं। आपकी जीने की परिस्थितियां इतनी खराब हैं कि आप अपने और अपने परिवार की बेसिक जरूरतों पर भी खर्च नहीं करते हैं।

इलाजः अपने पति या पत्नी को अपने फाइनेंस हैंडल करने दें। किसी फाइनेंशियल एडवाइजर या साइकोलॉजिस्ट से सलाह लें।

4. कंपलसिव होर्डिंग (पैसे की जमाखोरी)

लक्षणः आप चीजों, यहां तक कि पैसों को भी जमा करने से खुद को रोक नहीं पाते हैं और अपने कब्जे की चीजों से छुटकारा पाने से इनकार कर देते हैं। सामान जुटाने की यह सनक ऐसे लेवल पर पहुंच जाती है जहां जमाखोरी के चलते घर में समान्य तरीके से जीना भी मुहाल हो जाता है।

इलाजः अपने इन्वेस्टमेंट्स को ऑटोमैटिक मोड पर रखें, जिससे आपके अकाउंट में सैलरी आते ही वह अपने आप इन्वेस्ट हो जाए। अपने क्रेडिट कार्ड्स को फेंक दें।

5. वर्कहोलिज्म (काम की लत)

लक्षणः आप बिना ब्रेक लिए बहुत मेहनत से काम करते हैं क्योंकि आप ज्यादा से ज्यादा दौलत जुटाना चाहते हैं। आपके मन में एक आर्थिक असुरक्षा का भाव है, इसलिए जितना ज्यादा पैसा आप कमाते हैं, आपको उतना ज्यादा अच्छा लगता है।

इलाजः अपने लिए छोटे- छोटे लक्ष्य बनाएं और तय करें कि उन्हें पूरा करने के लिए आपको कितना पैसा जुटाना होगा। जब आप एक लक्ष्य के बराबर पैसा जुटा लें, तो उसके बाद रिलैक्स करें।

6. ओवरस्पेंडिंग या कंपलसिव बायिंग (जरूरत से ज्यादा खर्च करना या जबरदस्ती चीजें खरीदना)

लक्षणः आप जल्दी-जल्दी चीजें खरीदना और पैसा खर्च करना चाहते हैं क्योंकि इससे आपको खुशी मिलती है। आप बहुत ज्यादा बेचैन रहते हैं और खरीदारी करने से आपको उस पल में आराम मिलता है। हालांकि जैसे ही आप शॉपिंग करके लौटते हैं, आप फिर से दुखी हो जाते हैं और यह प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

इलाजः किसी मनोवैज्ञानिक से बात करके अपनी चिंता और बेचैनी का हल निकालिए। जैसे ही चिंता की वजह खत्म हो जाएगी, आपकी आदत भी बदल जाएगी।

7. फाइनेंशियल इन्फिडेलिटी (विश्वासघात)

लक्षणः आप पैसों के बारे में या अपने खर्चों के बारे में अपने पति-पत्नी से डिस्कस नहीं कर रहे हैं। चाहे यह बचत के बारे में हो, खर्च के बारे में या निवेश के बारे में। आप अपने फाइनेंस को अपने साथी से छुपाकर रखने की कोशिश करते हैं।

इलाजः टीम की तरह काम करें और एक-दूसरे से बातचीत करें। जरूरत पड़े तो किसी काउंसलर से सलाह लें।

8. फाइनेंशियल इनसेस्ट (दोषारोपण)

लक्षणः आप पैसों से जुड़ी अपनी परेशानियां अपने बच्चों पर डाल रहे हैं, जिससे आपका स्ट्रेस कम हो सके। आप पैसों से जुड़ी समस्याओं के लिए अपने पति-पत्नी को दोष देते हैं। बच्चों को पैसा खर्च करने पर अपराध बोध महसूस कराते हैं या फिर अपने ऑफिस का स्ट्रेस अपने बच्चे से बांटते हैं।

इलाजः काउंसिलिंग के जरिए अपने परिवार से अपने संबंध बेहतर बनाएं।

खबर संक्षेप

नवाज की तबियत फिर बिगड़ी, प्लेटलेट कम हुआ

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के स्वास्थ्य की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है क्योंकि उनका प्लेटलेट काउंट फिर कम हो गया है। इससे एक दिन पहले यह बढ़कर 51000 हो गया था। यह जानकारी उनके निजी फिजिशियन ने शनिवार को दी। 69 वर्षीय शरीफ का प्लेटलेट काउंट कम होकर 2000 तक हो गया था जिसके बाद उन्हें सोमवार रात में सर्विसेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। शरीफ भ्रष्टाचार निरोधक इकाई की हिरासत में थे। बृहस्पतिवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख के स्वास्थ्य में कुछ सुधार हुआ और उनका प्लेटलेट काउंट 35000 से बढ़कर 51000 हो गया।

बारूदी सुरंग में विस्फोट, नौ बच्चों की मौत

कुंदुज (अफगानिस्तान)। उत्तरपूर्व अफगानिस्तान में शनिवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट में नौ बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह विस्फोट तखार प्रांत के अशांत दरकद जिले में हुआ। यह विस्फोट उस समय हुआ जब बच्चे तालिबान के नियंत्रण वाले एक गांव की एक सड़क पर लगाये गए बारूदी सुरंग के ऊपर चढ़ गए। तखार के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता जवाद हेजरी ने कहा कि आज सुबह साढ़े आठ बजे दुखद रूप से नौ स्कूली बच्चे तालिबान द्वारा लगाये गए एक बारूदी सुरंग विस्फोट में मारे गए। उन्होंने बताया कि इन बच्चों में से सभी लड़के थे जिनकी आयु सात से 11 वर्ष के बीच थी।

इजराइल के जवाबी हवाई हमले में फलस्तीनी की मौत

यरुशलम। फलस्तीन की तरफ से किए गए रॉकेट हमले के जवाब में इजराइली विमानों ने शनिवार को गाजा पट्टी क्षेत्र पर हमला किया जिसमें एक फलस्तीनी की मौत हो गई। हमास द्वारा शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह दावा किया। गाजा में सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फलस्तीनी क्षेत्र में तड़के दर्जनों हमले हुए जिनमें इस क्षेत्र के इस्लामी शासकों और उनसे जुड़े संगठनों को निशाना बनाया गया। इजराइली सेना ने कहा कि वे हमास आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं जिनमें गुट का एक नौसैनिक ठिकाना, एक सैन्य परिसर और हथियार निर्माण स्थल शामिल है।

'टिकटॉक' के खिलाफ अमेरिका ने शुरू की जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने चीन की वीडियो एप 'टिकटॉक' के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा जांच शुरू की है। कई खबरों में इसका दावा किया गया है। समाचार एजेंसी 'रायटर्स', समाचार पत्र 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और अन्य की खबरों के अनुसार अमेरिका में विदेशी निवेश पर अंतर-एजेंसी समिति (सीएफआईयूएस) ने एक जांच शुरू की है। कई सांसदों ने 'टिकटॉक' की सेंसरशिप और उसके डाटा एकत्र करने पर सवाल उठाए थे।

बैंकॉक के निमिबुत्र स्टेडियम में प्रधानमंत्री ने भारतीय मूल के लोगों को किया संबोधित

हाउडी के बाद 'सवास्दी मोदी' में दिखा उत्साह, 'मोदी-मोदी' से गूंजा स्टेडियम

एजेंसी ⏭ बैंकाक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचे। हाउडी मोदी की तर्ज में बैंकॉक में पीएम मोदी के सम्मान में 'सवास्दी पीएम मोदी' कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैंकॉक के निमिबुत्र स्टेडियम में 'सवास्दी पीएम मोदी' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्राचीन सुवर्णभूमि, थाइलैंड में आप सभी के बीच हूं तो लगता ही नहीं है कि कहीं विदेश में हूं। ये माहौल, ये वेशभूषा, हर तरफ से अपनेपन का आभास मिलता है, अपनापन झलकता है।

वहीं, पीएम मोदी को सुनने के लिए भारतीय समुदाय के लोग काफी संख्या में निमिबुत्र स्टेडियम पहुंचे। भारतीय समुदाय में पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। पीएम मोदी का यह दौरा तीन दिन का है।

मोदी ने बताया सवास्दी का मतलब

थाईलैंड में पीएम मोदी ने कहा कि भारत की अयोध्या नगरी, थाईलैंड में आ-युथ्या हो जाती है। जिन नारायण ने अयोध्या में अवतार लिया, उन के पावन-पवित्र वाहन - 'गरुड़' के प्रति थाईलैंड में अप्रतिम श्रद्धा है। हम भाषा के ही नहीं, भावना के स्तर पर भी एक दूसरे के बहुत नजदीक हैं। इतने नजदीक कि कभी-कभी हमें इसका आभास भी नहीं होता. जैसे आपने मुझे कहा सवास्दी मोदी। सवास्दी का संबंध संस्कृत के शब्द स्वस्ति से है। इसका अर्थ है- सु प्लस अस्ति, यानि कल्याण यानी आपका कल्याण हो। अभिवादन हो, आस्था हो, हमें हर तरफ अपने नजदीकी सम्बन्धों के गहरे निशान मिलते हैं।

जब लोगों ने दिया स्टेंडिंग ओवेशन

पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 पर जवाब देते हुए कहा कि जब इरादा सही होता तो इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देती है। इसके बाद लोगों ने मोदी मोदी के नारे नारे लगाते हुए उन्हें स्टेंडिंग ओवेशन दिया। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि ये सम्मान भारत के सांसदों और संसद का है।

14वीं ईस्ट एशिया समिट में भी होंगे शामिल

प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 14वीं ईस्ट एशिया समिट में भी शामिल होंगे। इस मुलाकात का उद्देश्य ईस्ट एशिया कोऑपरेशन और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान है। समिट में शामिल देश दुनिया की 54 फीसदी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं कि जबकि जीडीपी के मामले में यह 58 प्रतिशत है।

आज आसियान-इंडिया समिट में भाग लेंगे मोदी

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रविवार को मोदी आसियान-इंडिया समिट में शामिल होंगे। आसियान समिट में आने के लिए मोदी को थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा ने न्योता दिया है। इसके बाद वे ईस्ट एशिया और क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) समिट में हिस्सा लेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की सातवीं आसियान-इंडिया समिट और छठवीं ईस्ट एशिया समिट होगी। पीएम मोदी तीन नवम्बर को 16वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह चार नवंबर को 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और एक क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) समझौते पर बातचीत करने वाले देशों की तीसरी शिखर बैठक में भी भाग लेंगे।

करतारपुर गलियारा का उद्घाटन

सिद्धू ने पाक की यात्रा के लिए सरकार से मांगी अनुमति

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तान में करतारपुर गलियारे के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए शनिवार को विदेश मंत्रालय से अनुमति मांगी। क्रिकेटर से नेता बने सिद्धू ने इस संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को भी एक पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने वह पत्र जरूरी कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को भेज दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखे पत्र में सिद्धू ने कहा कि उन्हें नौ नवंबर को करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन समारोह के लिए पाकिस्तान सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया है। अमृतसर पूर्व क्षेत्र से विधायक सिद्धू ने लिखा कि एक सिख के रूप में, इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने महान गुरु बाबा नानक को श्रद्धा सुमन अर्पित करने और अपनी जड़ों से जुड़ने का यह एक महान अवसर होगा।

पुरी ने की बर्मिंघम विवि में गुरु नानक पीठ की शुरुआत

बर्मिंघम। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में एक नयी गुरु नानक पीठ की शुरुआत की है, ताकि सिख धर्म के संस्थापक से जुड़ी शिक्षाओं को लेकर शोध किया जा सके। भारत सरकार के समर्थन से स्थापित इस पीठ की शुरूआत की घोषणा पुरी ने गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों के तहत की।

माली में आतंकी हमला 54 सैनिकों की मौत

एजेंसी ⏭ बामाको

माली में सैन्य ठिकाने पर आतंकवादी हमले में 54 सैनिकों की मौत हो गई है। माली सरकार ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को मेनाका क्षेत्र में हुए हमले में मारे गए लोगों की संख्या शुरुआत में 15 बताई गई थी। हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। माली सरकार ने इसे 'आतंकवादी हमला' बताते हुए इसकी निंदा की। साथ ही बिना कोई सटीक आंकड़ा दिए कई लोगों के मारे जाने तथा घायल होने की बात भी कही। सुरक्षा मजबूत करने और हमलावरों को पकड़ने के लिए मौके पर अतिरिक्त बल भेज दिये गए हैं। माली सेना के 2012 में हुई बगावत में विद्रोहियों को मात देने में विफल रहने के बाद से उत्तरी माली अल-कायदा से जुड़े जिहादियों के नियंत्रण में है। गौरतलब है कि करीब एक महीने पहले ही बुर्किना फासो से लगी सीमा के पास जिहादियों के हमले में 40 सैनिक मारे गए थे।

- हमले की तत्काल किसी ने नहीं ली जिम्मेदारी

कैलिफोर्निया में लगी आग फैलने से 2300 घर खाक

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

कैलिफोर्निया के जंगलों में करीब एक महीने पहले लगी आग फैलती ही जा रही है। लॉस एंजिल्स से करीब 105 किलोमीटर दूर वेंचुरा कांउटी में शुक्रवार की शाम आग भड़क गई। इसे 'मारिया फायर' नाम दिया गया है। अभी तक ये 9 हजार एकड़ में फैल चुकी है। मारिया फायर की चपेट में आने से 2300 घर जलकर खाक हो गए हैं। अफसरों के मुताबिक अभी तक 10 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 6 अक्टूबर से अब तक कैलिफोर्निया के 10 से अधिक अलग-अलग हिस्सों में आग लग चुकी है। कैलिफोर्निया प्रांत के गवर्नर गेविन न्यूसम ने पिछले सप्ताह आग के प्रभाव और खतरे के देखते हुए राज्य में आपातकाल की घोषणा की थी। इस मौसम में प्रांत के विभिन्न हिस्सों में लगी आग 1 लाख एकड़ से ज्यादा के हिस्सों को प्रभावित कर चुकी है।

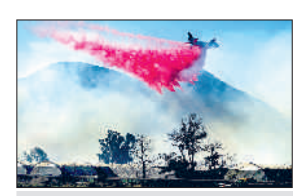

- अभी तक ये 9 हजार एकड़ में फैल चुकी है
- 10 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

पाक सेना ने आजादी मार्च प्रदर्शनकारियों को किया आगाह

देश में किसी को भी अस्थिरता या अराजकता उत्पन्न नहीं करने देंगे

एजेंसी ⏭ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को आगाह किया कि देश में किसी को भी अस्थिरता या अराजकता उत्पन्न नहीं करने दी जाएगी। इससे एक दिन पहले ही धर्मगुरु एवं राजनीतिज्ञ मौलाना फजलुर रहमान ने प्रधानमंत्री इमरान खान के पद छोड़ने के लिए दो दिन की समयसीमा तय की थी। कट्टरपंथी धर्मगुरु रहमान ने वर्तमान सरकार को हटाने के लिए आयोजित प्रदर्शन रैली को यहां शुक्रवार को संबोधित किया था। प्रदर्शन रैली को 'आजादी मार्च' नाम दिया गया है। रहमान ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान के बोर्बाच्येव को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के धैर्य की परीक्षा लिये बिना इस्तीफा दे देना चाहिए। रहमान की टिप्पणी पर पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल आसिफ गफूर ने कहा कि मौलाना फजलुर रहमान एक वरिष्ठ नेता हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे किस संस्थान के बारे में बात कर रहे हैं। पाकिस्तान का सशस्त्र बल एक तटस्थ संस्थान है जिसने हमेशा ही लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों का समर्थन किया है। उन्होंने आगाह किया कि किसी को भी अस्थिरता उत्पन्न नहीं करने दी जाएगी क्योंकि देश अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। गफूर ने कहा कि सेना तटस्थ है और वह संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों का ही समर्थन करती है।

- सेना के प्रवक्ता मेजर ने कहा, सेना तटस्थ है और वह संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों का ही समर्थन करती है

मंत्री ने कहा, डेडलाइन खत्म होने से पहले बातचीत नहीं

प्रधानमंत्री इमरान खान के इस्तीफे के लिए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान द्वारा निर्धारित रविवार को दो दिवसीय समय सीमा समाप्त होने से पहले विपक्ष के साथ बातचीत करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। डॉन न्यूज के मुताबिक, शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के संघीय मंत्री शफकत महमूद ने यह जानकारी दी। महमूद प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा गठित सरकार की बातचीत करने वाली टीम के सदस्य हैं, जिन्हें विपक्षी दलों से वार्ता करने के लिए 27 अक्टूबर को आजादी मार्च के शुरू होने से पहले नियुक्त किया गया था।

अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया

भारत सोशल मीडिया के जरिये आतंकियों की भर्ती एवं लोगों को कट्टर बनाने से चिंतित

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक भारत इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर चिंतित है, खासतौर पर आतंकवादियों की भर्ती और लोगों को कट्टर बनाने में सोशल मीडिया एवं व्हाट्सऐप जैसे मैसेजिंग ऐप के इस्तेमाल से। व्हाट्सऐप के जरिये जासूसी का खुलासा होने के बाद वर्ष 2018 के लिए आतंकवाद पर संबंधित देशों की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश विभाग ने यह बात कही। रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की गई है। फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सऐप ने गुरुवार को कहा था कि वैश्विक स्तर पर इजरायली जासूसी सॉफ्टवेयर 'पेगासस' से जिनकी जासूसी की गई उनमें भारतीय पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

कश्मीर मुद्दे पर भारत को अमेरिका से मिला 'पूरा' समर्थन : श्रृंगला

अमेरिका में भारतीय राजदूत हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा है कि कश्मीर पर भारत को अमेरिका से पूरा समर्थन मिला है और नयी दिल्ली को खुशी है कि ट्रंप प्रशासन ने इस मुद्दे पर बहुत समझदारी दिखायी है। शुक्रवार को अपने आवास पर दीपावली मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान श्रृंगला ने यह टिप्पणी की। इस आयोजन में नामी गिरामी भारतवंशी, ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ सदस्य और राजनयिक शामिल हुए।

आतंकी संगठनों को धन उगाही और भर्ती पर अंकुश लगाने में पाक विफल

अमेरिका की एक रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों को धन उगाहने और भर्ती करने से 'उल्लेखनीय रूप से सीमित करने' में विफल रहा है जबकि देश के बाहर हमलों को अंजाम देने वाले कई आतंकी संगठन 2018 में पाकिस्तानी सरजमीन से अपनी गतिविधियों का संचालन करना जारी रखे थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने संसद के प्रस्ताव पर 2018 के लिये आतंकवाद पर वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि पाकिस्तान सरकार ने अफगान सरकार और तालिबान में राजनीतिक सुलह को समर्थन देने की बात कही लेकिन पाक स्थित पनाहगाहों से संचालित हो रहे आतंकी समूहों और हक्कानी नेटवर्क को रोकने के लिये कदम नहीं उठाए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सतवीर सिंह कटारिया द्वारा इंडियन एक्सप्रैस, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109